कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा से वॉकआउट किया क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झूठ बोल रहे थे और जोर देकर कहा कि भाजपा-आरएसएस, जनसंघ और उनके राजनीतिक पूर्वजोंठ ने भारतीय संविधान का कड़ा विरोध किया था।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 61 दिनांक:04-07-2024 गुरूवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात कर अपना इस्तीफा सौंप दिया है। उन्होंने इस्तीफा देने के बाद कहा 'एक बैठक में यह तय किया गया है कि हेमंत सोरेन विधायक दल के नेता होंगे।'

हमारा संविधान हमें प्रकाश स्तंभ की तरह मार्गदर्शन करता है: पीएम मोदी

- राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर पीएम का जवाब

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब दिया। प्रधानमंत्री ने सदन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति के प्रेरणादायक और उत्साहवर्धक अभिभाषण के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लगभग 70 सदस्यों ने अपने विचार रखे और प्रधानमंत्री ने उन सदस्यों को धन्यवाद दिया।

पीएम मोदी ने देश की लोकतांत्रिक यात्रा पर चर्चा करते हुए कहा कि 60 वर्षों के बाद भारत के मतदाताओं ने लगातार तीसरी बार किसी सरकार को वापस लाया है। उन्होंने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। मतदाताओं के निर्णय को कम आंकने के विपक्ष के कदम की निंदा करते हुए मोदी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हमने देखा है कि विपक्ष ने भारी मन से अपनी हार और हमारी जीत को स्वीकार किया है।

पीएम मोदी ने कहा कि वर्तमान सरकार ने अपने शासन का केवल एक तिहाई यानी 10 वर्ष ही पूरा किया है और अभी दो तिहाई यानी 20 वर्ष बाकी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत के लोगों ने पिछले 10 वर्षों में देश की सेवा करने के लिए हमारी सरकार के प्रयासों का पूरे दिल से समर्थन किया है और आशीर्वाद दिया है। उन्होंने नागरिकों के फैसले पर गर्व व्यक्त किया, जिन्होंने दुष्प्रचार को हराया, काम-काज को प्राथमिकता दी, भ्रम की राजनीति को नकारा और विश्वास की राजनीति पर जीत की मुहर लगाई। भारत का संविधान अपने अस्तित्व के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इसे देखते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक विशेष स्थिति है क्योंकि भारत की संसद भी 75 वर्ष पूरे कर रही है, जो इसे एक सुखद संयोग बनाता है।

मोदी ने बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा दिए गए भारत के संविधान की प्रशंसा की और कहा कि जिनके परिवार का कोई सदस्य भारत में कभी राजनीतिक परिवार से जुड़ा नहीं था, उन्हें संविधान में निहित अधिकारों के कारण देश की सेवा करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा, यह बाबा साहेब अंबेडकर का दिया संविधान ही है, जिसने मेरे जैसे लोगों को, जिनका कोई राजनीतिक वंश नहीं है, राजनीति में प्रवेश करने और इस मुकाम तक पहुंचना संभव किया है। उन्होंने आगे कहा कि अब, जब लोगों ने अपनी स्वीकृति की मुहर लगा दी है, तो सरकार लगातार तीसरी बार आई है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का संविधान केवल लेखों का संकलन नहीं है, बल्कि इसकी भावना और छाप अत्यंत मूल्यवान है।

मोदी ने याद दिलाया कि जब उनकी सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव रखा था, तो इसका कड़ा विरोध हुआ था। पीएम ने कहा कि संविधान दिवस मनाने के उनके फैसले से स्कूलों और कॉलेजों में युवाओं के बीच संविधान की भावना को और अधिक प्रसारित करने, संविधान में कुछ प्रावधानों को क्यों और कैसे शामिल किया गया और कैसे हटाया गया, इस पर चर्चा और विचार-विमर्श करने में मदद मिली है। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि संविधान के विभिन्न पहलुओं पर हमारे छात्रों के बीच निबंध, वाद-विवाद और तात्कालिक भाषण जैसी प्रतियोगिताओं के आयोजन से संविधान के प्रति आस्था बढ़ेगी और समझ विकसित होगी। उन्होंने कहा कि संविधान हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा रहा है। श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि चूंकि संविधान अपने अस्तित्व के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, इसलिए उनकी सरकार ने इसे देशव्यापी उत्सव सुनिश्चित करने के लिए जन उत्सव के रूप में मनाने की योजना बनाई है। उन्होंने आगे कहा कि वे यह सुनिश्चित करने का भी प्रयास करेंगे कि संविधान की भावना और उद्देश्य को लेकर देश के हर कोने में जागरूकता हो।

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने दिया इस्तीफ़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। प्रवर्तन निदेशालय ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन को एक मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ़्तार कर लिया था. उसके बाद चंपई सोरेन को झारखंड का सीएम बनाया गया था. फ़रवरी में चंपई सोरेन ने ये पद संभाला था.

अब हेमंत सोरेन को बेल मिल गई है. वो बाहर आ गए हैं और तीसरी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बन सकते हैं. झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन अपनी पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन के विधायकों के बीच सर्वसम्मति के बाद तीसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में वापसी कर सकते हैं.

सूत्रों ने कहा कि हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद झारखंड के 12वें मुख्यमंत्री के रूप में दो फरवरी को शपथ लेने वाले चंपई सोरेन ने पद से इस्तीफ़ा दे दिया है. झारखंड में इस साल नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव भी प्रस्तावित है.

अगर हेमंत पद की शपथ लेते हैं, तो वो झारखंड के 13वें मुख्यमंत्री बन जाएंगे. क़रीब पांच महीने जेल में काटने के बाद झारखंड हाई कोर्ट ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में उन्हें ज़मानत दे दी थी और बीती 28 जून को उन्हें रिहा कर दिया गया था.

महाराष्ट्र में जीका वायरस के मामले.....देश भर में अलर्ट

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में जीका वायरस के मामले सामने आने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों को एक एडवाइजरी जारी की। स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों से कहा है कि वे गर्भवती महिलाओं में संक्रमण की जांच करके और जीका के लिए सकारात्मक परीक्षण करने वाली गर्भवती मांओं के भ्रूण के विकास की निगरानी करके निरंतर निगरानी बनाए रखें। स्वास्थ्य सुविधाओं/अस्पतालों के परिसर को एडीज मच्छर मुक्त रखने के लिए निगरानी करने और कार्रवाई करने के लिए एक नोडल अधिकारी की पहचान की जाएगी।

एडवाइजरी के मुताबिक राज्य आवासीय क्षेत्रों, कार्यस्थलों, स्कूलों, निर्माण स्थलों, संस्थानों और स्वास्थ्य सुविधाओं में कीटविज्ञान निगरानी को मजबूत करें। इससे पहले नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी के निदेशक डॉ. नवीन कुमार ने नागरिकों से जीका के मामलों से नहीं घबराने पर जोर दिया है। डॉ. कुमार ने कहा, हमें देश भर से 106 नमूने प्राप्त हुए हैं और अब तक पुणे में छह में जीका वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है, जबकि अहमदनगर और कोल्हापुर में एक-एक की पहचान की गई है।

एनआईवी में डायग्नोस्टिक वायरोलॉजी समूह के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. गजानन सपकाल ने कहा कि हमारे पास वायरल जीनोम और जीका वायरस एंटीबॉडी का परीक्षण करने की क्षमता है। अब तक दो नमूनों को अनुक्रमित किया जा चुका है। वर्तमान में पुणे में जीका वायरस एशियाई वंश का है। जीका वायरस एक वेक्टर-जनित फ्लेविवायरस है जो संक्रमित एडीज मच्छरों-मुख्य रूप से एडीज एजिप्टी और एडीज एल्बोपिक्टस के काटने से फैलता है। यह बीमारी एक हल्की, स्व-सीमित बीमारी है जो बुखार, दाने और जोड़ों के दर्द के साथ होती है।

दोनों सदनों के अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने के साथ संसद सत्र समाप्त

नई दिल्ली (ईएमएस)। 18वीं लोकसभा के लिए हुए आम चुनावों के बाद, लोकसभा का पहला सत्र और राज्यसभा का 264वां सत्र क्रमश: 24 और 27 जून से बुलाया गया था। लोकसभा को कल 2 जुलाई, 2024 को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया, जबकि राज्यसभा को आज 3 जुलाई, 2024 को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद के इस सत्र की कार्यवाही का विवरण प्रस्तुत किया। लोकसभा में पहले दो दिन 18वीं लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ के उद्देश्य के लिए विशेष रूप से समर्पित थे। सत्र के दौरान कुल 542 सदस्यों में से 539 ने शपथ/प्रतिज्ञान लिया।

शपथ की सुविधा के लिए, भारत की राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 95(1) के तहत भर्तृहरि मेहताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया तथा सुरेश कोडिकुन्निल, राधा मोहन सिंह, फग्गन सिंह कुलस्ते, टी.आर. बालू और सुदीप बंद्योपाध्याय को ऐसे व्यक्तियों के रूप में नियुक्त किया, जिनके समक्ष सदस्य संविधान के अनुच्छेद 99 के तहत शपथ/प्रतिज्ञान ले सकते हैं और उन पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। 26 जून, 2024 को लोकसभा के अध्यक्ष का चुनाव हुआ और लोकसभा के सदस्य ओम बिरला को ध्वनि मत से अध्यक्ष चुना गया।

इंद्रदेव के सामने मौसम विभाग फेल, बार-बार बदल रहा चेतावनी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। हर बार की तरह एक बार फिर मौसम विभाग सटीक भविष्यवाणी बताने में फेल हो रहा है। इंद्रदेव के सामने आईएमडी की एक नहीं चल रही है। मौसम विभाग ऐसी फिरकी ले रहा है कि आम आदमी क्या, आईएमडी भी कन्फ्यूज है। मौसम विभाग बार-बार चेतावनी जारी करता है आज भारी बारिश होती या बारिश का अलर्ट जारी करता है लेकिन ऐसा देखने को नहीं मिल रहा है। न तो बारिश हो रही और न गर्मी कम हो रही। दिल्ली-एनसीआर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी है, लेकिन बारिश का अता-पता नहीं। यह सवाल आईएमडी से पूछा जाना चाहिए कि आखिर उसके अनुमान फेल क्यों हो रहे हैं। बारिश की चेतावनी के बाद भी बादल क्यों नहीं बरस रहे। आखिर आईएमडी सटीक अनुमान बताने में क्यों फेल हो रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में मानसून की एंट्री तो हो गई है लेकिन नहीं मिल रही गर्मी व उमस से राहत। अभी तक दिल्ली-एनसीआर में एक ही दिन बारिश हुई है। मौसम विभाग बार-बार अलर्ट जारी कर रहा है कि बारिश होने वाली है लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है। बादल तो छा रहे हैं, लेकिन बरस नहीं रहे हैं। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में बुधवार को भी बारिश का अलर्ट जारी किया है। केवल दिल्ली ही नहीं, आज दिल्ली के अलावा, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़ और यूपी में भी बारिश की संभावना जताई गई है।

आईएमडी के पूर्वानुमान फेल हो रहे हैं। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि दिल्ली को लेकर बार-बार आईएमडी को अपना अलर्ट बदलना पड़ रहा है। पहले मौसम विभाग ने दिल्ली में येलो अलर्ट जारी किया था बाद में उसे ऑरेंज में बदल दिया। यानी पहले हल्की बारिश और बाद में फिर मध्यम से भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया गया। मौसम विभाग ने सोमवार, मंगलवार, बुधवार और गुरुवार तक के लिए दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और पूरे एनसीआर के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया था लेकिन अब तक दिल्ली-एनसीआर वाले बारिश का इंतजार ही कर रहे हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी अस्पताल में फिर भर्ती,

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी को रात 9 बजे दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह डॉ. विनीत सूरी की निगरानी में हैं। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इस बारे में अपोलो अस्पताल ने जानकारी दी है। पिछले महीने 26 जून को भी उन्हें दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था। यूरोलॉजी से संबंधित उन्हें परेशानी थी। यूरोलॉजी के प्रोफेसर डॉ. अमलेश सेठ उनका इलाज कर रहे थे। उन्हें 27 जून को देर रात छुट्टी मिल गई थी। यूरिन में संक्रमण से संबंधित परेशानी के चलते यूरोलाजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. अमलेश सेठ के नेतृत्व में उनका इलाज चला रहा था।

लद्दाख में आया 4.4 तीव्रता का भूकंप

नई दिल्ली (ईएमएस)। लद्दाख में बुधवार को 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के कारण जान-माल का नुकसान होने की फिलहाल कोई खबर नहीं मिली है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप सुबह आठ बजकर 12 बजे मिनट पर आया और इसका केंद्र 15 किलोमीटर की गहराई में था।

जियो और एयरटेल का रिचार्ज हुआ महंगा

मुंबई (ईएमएस)। एयरटेल और ?जियो के प्रीपेड और पोस्टपेड प्लान बुधवार 3 जुलाई से महंगे हो गए हैं। टेलीकॉम कंपनियों ने अपने मोबाइल टैरिफ को 11 प्रतिशत से लेकर 25 प्रतिशत तक बढ़ा दिए हैं। वहीं बीएसएनएल के भी जियो के प्रीपेड और पोस्टपेड प्लान भी गुरुवार से महंगे हो जाएंगे। जियो का सबसे सस्ता मंथली रिचार्ज प्लान 155 रुपए की जगह अब 189 रुपए का हो गया है। इसमें 28 दिन की वैलिडिटी, अनलिमिटेड वॉइस कॉलिंग और 2 जीबी इंटरनेट डेटा मिलेगा। ?जियो का 84 दिन वाला रिचार्ज अब 479 रुपए का हो गया है। इसमें 6 जीबी इंटरनेट डेटा और 1000 एसएमएस भेजने की सुविधा मिलेगी। वहीं जियो का सालाना रिचार्ज प्लान अब 1899 रुपए का हो गया है। इसमें 336 दिन की वैलिडिटी, अनलिमिटेड कॉल, 24जीबी इंटरनेट डेटा और 3600 एसएमएस भेजने की सुविधा मिलेगी।

हाथरस सत्संग हादसा: अपनों की तलाश में दर-दर भटक रहे परिजन

हाथरस,(ईएमएस)। उत्तरप्रदेश के हाथरस सत्संग में भगदड़ में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है, हादसे के बाद लोग अस्पताल और पोस्टमॉर्टम हाउस में अपनों की तलाश कर रहे हैं। कोई अपनी मां को ढूंढ रहा है, तो कोई अपनी बच्चों को। एटा में अब तक 27 लोगों के शव पहुंच चुके हैं, जिनमें से 21 लोगों के शव का पोस्टमार्टम हो चुका है और उनके परिजनों को सौंप दिया है। 3 शवों की पहचान अभी तक नहीं हुई है।

बता दें मंगलवार को हाथरस के सिकंदराराऊ क्षेत्र में भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। हादसे के बाद से लापता और मृतकों के परिजन अपनों को ढूंढने दर-दर भटक रहे हैं। कोई अपनी मां तो कोई अपने बच्चों को तो कोई अपनी पत्नी को ढूंढ रहा है।

एक बुजुर्ग महिला बुधवार सुबह एटा पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंची जहां वह अपनी नातिन को ढूंढने आई थी। बुजुर्ग महिला ने बताया कि वह अपनी नातिन के साथ सत्संग में गई थी, वहां भगदड़ मच गई जिसके बाद उसकी नातिन नहीं मिल रही है।

वहीं एक बुजुर्ग व्यक्ति ने बताया कि उसकी पत्नी और उसकी बुआ की नाती की बहू समेत कई लोग सत्संग में गए थे। जिसमें उसकी बुआ की नाती की पत्नी और उसके बेटे की हादसे में मौत हो गई है। बेटा हाथरस के जिला अस्पताल में मृत मिला और उसकी पत्नी एटा के पोस्टमार्टम हाउस में मिली है।

पीएम मोदी ने ऐसा क्या कहा.....हाथ जोड़कर खड़ी हुई सुधा मूर्ति

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा के बाद बुधवार को पीएम मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जवाब दिया। पीएम मोदी ने अपने भाषण में इंफोसिस के सीईओ नारायण मूर्ति की पत्नी सुधा मूर्ति का भी जिक्र किया। सुधा मूर्ति ने अपने भाषण में महिलाओं के कैंसर सहित दो मुद्दे उठाए थे। इसपर बुधवार को पीएम मोदी ने उनका सदन में धन्यवाद किया।

इन मुद्दों का जिक्र कर पीएम मोदी ने कहा कि 2 जुलाई को अपनी स्पीच में सरकार की ओर से प्रायोजित टीकाकरण कार्यक्रम की वकालत की थी। पीएम मोदी ने कहा कि सुधा जी ने कल राज्यसभा में महिलाओं में बढ़ रहे सर्वाइकल कैंसर के बारे में और उसकी जागरूकता के बारे में बात की थी। इसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं।

सुधा मूर्ति ने राज्यसभा में पहली बार अपने भाषण में मनु स्मृति के एक प्रसिद्ध श्लोक का वाचन किया। उन्होंने कहा कि यत्र नर्यस्तु पूज्यन्ते रमंते तत्र देवता, यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वस्तत्रफला: क्रिया। सुधा मूर्ति ने इसका मतलब बताकर कहा कि जहां स्त्रियों का सम्मान होता है, वहीं देवत्व खिलता है, और जहां भी स्त्रियों का अपमान होता है, वहां सभी कर्म चाहे कितने ही महान क्यों न हों, निष्फल रहते हैं। बुधवार को पीएम मोदी ने इस बात का जिक्र किया। सुधा मूर्ति ने कहा कि महिलाओं में इस बीमारी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और इससे बचाव के लिए किशोरावस्था में इसके टीके लगाने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

भोले बाबा को कई सफेदपोश नेताओं का संरक्षण मिला है: मौनी महाराज - बाबा के साथ ही अन्य जिम्मेदार लोगों के खिलाफ भी हो सख्त कार्रवाई

प्रयागराज,(ईएमएस)। हाथरस में भोले बाबा उर्फ सूरजपाल के सत्संग में हुई भगदड़ में हुई मौतों पर संत परमहंस आश्रम अमेठी के पीठाधीश्वर अभय चैतन्य ब्रह्मचारी मौनी महाराज ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि इस घटना में सैकड़ों निर्दोष लोगों की जान चली गई। मौनी महाराज ने इस हादसे की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटना फिर न हो सके।

मौनी महाराज ने भोले बाबा पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा है कि भोले बाबा को कई सफेदपोश नेताओं का संरक्षण मिला हुआ है। उन्होंने कहा कि भोले बाबा की भी जांच होनी चाहिए और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। मौनी महाराज के मुताबिक भोले बाबा यौन शोषण के आरोप में बर्खास्त होने के बाद उसने अपना नाम और पहचान बदलकर साकार नारायण हरि रख लिया। उसके खिलाफ एक दर्जन से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। मौनी महाराज ने कहा कि भोले बाबा ने समाज के गरीब तपके के लोगों को गुमराह कर समाज को बांटने का काम किया है। वह लोगों के बीच प्रवचन करने लगा उनके सेवकों ने भोले बाबा को शिव और पार्वती के रूप में प्रचारित कर दिया। ऐसा प्रचार किया कि उनके पास जाने से लोगों के सभी दुख दर्द दूर हो जाएंगे। बाबा के सत्संग में अंदर वीडियो और फोटो बनाने की भी मनाही थी।

मौनी महाराज ने आरोप लगाया है कि भोले बाबा को ऐसे नेताओं का संरक्षण प्राप्त था जो कि हिंदू धर्म के खिलाफ काम करते हैं। उन्होंने कहा है कि ऐसे ही ढोंगी बाबाओं के चलते सनातन धर्म को नीचा देखना पड़ता है और साधु संत गालियां खाते हैं। मौनी महाराज ने भोले बाबा के आपराधिक मामलों की भी जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि भोले बाबा के साथ ही अन्य जिम्मेदार लोगों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई कर उन्हें जेल में डालना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस हादसे की न्यायिक जांच कराने का ऐलान किया

हाथरस (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस में हुई भगदड़ की घटना में साजिश की आशंका जाहिर करते हुए इसकी न्यायिक जांच कराने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने हाथरस में प्रेस वार्ता में कहा कि सिकन्दराराऊ में मंगलवार को विख्याति 'भोले बाबा के सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत के मामले की उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अगुवाई में न्यायिक जांच करायी जाएगी तथा इसकी अधिसूचना आज ही जारी हो जाएगी।

उन्होंने घटना में साजिश की तरफ इशारा करते हुए कहा, ''यह हादसा था या कोई साजिश और अगर साजिश थी तो इसमें किसका हाथ है, इन सभी पहलुओं को जानने के लिए हम न्यायिक जांच भी कराएंगे जो उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में की जाएगी।

बिहार में फिर से पुल हादसा, सीवान में बैक टू बैक तीन पुल ध्वस्त

कई गांव के लोग परेशान

सीवान : बिहार में फिर से पुल हादसा हुआ है। सीवान में बैक टू बैक तीन पुल ध्वस्त हो गए। लगातार बारिश के कारण कुछ ही घंटों में तीन पुल गिरने से कई गांवों के बीच संपर्क टूट गया है। पहली घटना महाराजगंज अनुमंडल के पटेढ़ा गांव और देवरिया गांव के बीच की है। यहां गंडक नदी पर बना 35 साल पुराना पुल का का एक पाया धंसने लगा। देखते ही देखते पुल गंडक नदी में समा गया।

दूसरी घटना महाराजगंज प्रखंड के तेवथा पंचायत की है। नौतन और सिकंदरपुर गांव के गंडक नदी पर बना पुल गिर गया। वहीं तीसरा पुल धीमही गांव में गंडक नदी में बना था। यह भी धाराशायी हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ दिन पहले इस पुल की मरमत भी हुई थी। उसके बाद भी यह पुल टूट गया है। पानी के तेज बहाव के कारण बताया जा रहा है। हादसे के बाद कई गांव के बीच आवागमन बाधित हो गया है। इलाके में हड़कंप मच गया। लोग पुल के निर्माण कार्य पर सवाल उठा रहे हैं। लोगों का कहना है यह पुल 35 से 40 साल पुरानी थी। हजारों लोगों के आने-जाने का यह मात्र एक यही साधन था। जो अब पूरी तरह से टूट गया है। ग़नीमत रही कि इस हादसे में जानमाल की कोई नुकसान नहीं पहुंचा। इस हादसे के पहले 22 जून को महाराजगंज अनुमंडल के पटेढ़ा और गरौली गांव के बीच गंडक नहर पर पुल अचानक गिर गया था।

व्लादिमीर पुतिन ने हाथरस हादसे पर जताया शोक

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में भगदड़ के दौरान बड़ी संख्या में हुई मौतों पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शोक संदेश भेज कर संवेदना जताई है।

पुतिन ने अपने शोक संदेश में कहा, सम्माननीय राष्ट्रपति महोदया, सम्माननीय प्रधानमंत्री महोदय, कृपया उत्तर प्रदेश में हुई इस दुखद दुर्घटना पर हार्दिक संवेदना स्वीकार करें. कृपया मेरी ओर से मृतकों के परिजनों के प्रति सहानुभूति और समर्थन व्यक्त करें और सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करें.

दूध के दाम क्यों बढ़ा रही हैं कंपनियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। 2024 का लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद एकाएक महंगाई बढ़ना शुरू हो गई है। चुनाव परिणाम आने के बाद जून माह में अमूल डेरी, मदर डेयरी, और नंदिनी ने दूध के दाम बढ़ा दिए हैं। प्रति लीटर 2 रुपये तक की वृद्धि हुई है।

दूध के महंगा होने की वजह क्यों हो रहा है। इसको समझ पाना बड़ा मुश्किल हो रहा है। भारत में दूध की सप्लाई मांग से अधिक है। चारे की कीमतें भी स्थिर बनी हुई हैं। दुग्ध उत्पादकों को भी पुराने वाले दाम ही दिए जा रहे हैं। इसके बाद भी दूध के दाम निरंतर बढ़ाए जा रहे हैं। जिसको लेकर लोगों में नाराजी बढ़ती जा रही है।

वर्ष 2023-24 में दूध का उत्पादन लगभग 242 मिलियन टन था। वर्ष 2022-23 में दूध का उत्पादन 231 मिलियन टन था। 2021-22 में दूध का उत्पादन 221 मिलियन लाख टन था। इसके बाद भी सहकारी डेरियों द्वारा कीमतों में लगातार वृद्धि की जा रही है। यह और भी चिंताजनक तब हो जाता है। जब सहकारी क्षेत्र से जुड़ी हुई कंपनियां दूध के रेट बढ़ा रही हैं।

अमृतपाल आज ले सकता सांसद पद की शपथ

चंडीगढ़ (ईएमएस)। जेल में बंद खालिस्तान समर्थक प्रचारक अमृतपाल सिंह को सांसद पद की शपथ लेने के लिए चार दिन की पैरोल दी गई है। अमृतपाल ने चुनावों में खडूर साहिब लोकसभा सीट से लगभग 1.97 लाख वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। उनका चुनाव अभियान उनके परिवार के सदस्यों और अलग-अलग पंथिक संगठनों के प्रतिनिधियों की ओर से चलाया गया था। बताया जा रहा है कि अमृतपाल के 5 जुलाई को लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में शपथ लेने की उम्मीद है।

दरअसल कट्टरपंथी उपदेशक और खडूर साहिब लोकसभा सीट से निर्वाचित अमृतपाल सिंह सांसद सदस्य के रूप में शपथ नहीं ले सके थे। क्योंकि वह राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत असम की जेल में बंद हैं। उनके वकील के अनुसार, सिंह ने 11 जून को पंजाब सरकार को पत्र लिखकर सांसद के रूप में शपथ लेने के लिए हिरासत से अस्थायी रिहाई की मांग की थी।

सिंह ने लोकसभा चुनाव निर्दलीय लड़ा था और उन्हें 4,04,430 वोट मिले थे। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार कुलबीर सिंह जीरा को 1,97,120 वोटों के अंतर से हराया।

वहीं अब अमृतपाल के तीन साथियों ने पंजाब में आगामी विधानसभा उपचुनावों में गिद्दड़बाहा, बरनाला और बाबा बकाला विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ने की घोषणा की है। ये तीनों एनएसए के तहत असम के डिब्रूगढ़ जेल में उनके साथ बंद हैं।

खुफिया सूचना मिलने के बाद राहुल गांधी के घर के बाहर बढ़ी सुरक्षा

नई दिल्ली : दक्षिणपंथी संगठनों द्वारा अशांति फैलाये जाने संबंधी खुफिया सूचना मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिसकर्मियों के साथ अर्धसैनिक बलों की एक प्लाटून को भी गांधी के आवास के निकट तैनात किया गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ गांधी की टिप्पणी को लेकर सोमवार को लोकसभा में हंगामा हुआ था।

सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को सूचना मिली कि दक्षिणपंथी संगठनों के सदस्य अशांति फैला सकते हैं जिसके बाद मध्य दिल्ली में कांग्रेस नेता के आवास के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। पुलिस को संदेह है कि लोग तख्तियां या होर्डिंग लेकर उनके घर के बाहर इकट्ठा हो सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि स्थानीय पुलिस को 24 घंटे गांधी के आवास के आसपास निगरानी बढ़ाने को कहा गया है। गांधी को जेड प्लस की सुरक्षा प्राप्त है।

बुधवार को भाजपा की दिल्ली इकाई के नेताओं ने पार्टी के विरुद्ध गांधी की टिप्पणियों को लेकर यहां विरोध प्रदर्शन किया था और उनसे माफी की मांग की थी। प्रदर्शनकारी जैसलमेर हाउस के पास इकट्ठा हुए थे और उन्होंने गांधी एवं उनकी पार्टी के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए अकबर रोड पर स्थित कांग्रेस मुख्यालय की ओर बढ़ने की कोशिश की थी। मध्य दिल्ली में 27 जून को एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के आवास के बाहर कुछ लोगों ने पोस्टर चिपकाए थे, जिसमें लोकसभा में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान उनके द्वारा लगाए गये नारे के लिए उन्हें लोकसभा से निलंबित करने की मांग की गई थी।

पांच महीने से बंद है शंभू बार्डर, अब बारिश बढ़ाएगी लोगों की परेशानी

-व्यापारियों ने हाल ही में धरनास्थल पर जाकर जताया था विरोध

अंबाला,(ईएमएस)। हरियाणा के अंबाला में किसान आंदोलन के चलते पांच महीने से दिल्ली-अमृतसर हाइवे बंद है। हरियाणा-पंजाब की सीमा को अलग-अलग करने वाली घग्गर नदी के एक किनारे पर किसान तो दूसरे पर पैरा मिलिट्री फ़ोर्स मोर्चा संभाले हुए है। ऐसे में शंभू बॉर्डर पर यह रास्ता आमजन के लिए पूरी तरह से बंद है। रोजमर्रा के कामों और नौकरी पर आने-जाने वाले लोगों को घग्गर नदी के किनारे बने कच्चे रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। लेकिन अब ये रास्ते भी बंद होने वाले हैं।

दरअसल, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल में मानसून आ चुका है और बारिश जारी है। बारिश के चलते घग्गर नदी में पानी बढ़ेगा। पुल और आसपास के कच्चे रास्ते बंद हो जाएंगे। अब लोगों को भय सता रहा है कि अगर घग्गर नदी में पानी आया तो नौकरी के लिए कैसे जाएंगे।

हरियाणा से पंजाब जाने के लिए यूं तो कई हाइवे भी हैं लेकिन अंबाला और शंभू के नजदीकी गांव और आसपास के इलाकों से दोनों तरफ आने-जाने के लिए लोग कच्चे रास्तों का इस्तेमाल करते हैं। यदि दूसरे रास्ते से लोग जाएंगे तो उन्हें 40 से 50 किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय करनी होगी। एसपी अंबाला सुरेंद्र सिंह ने बताया कि यह गंभीर मुद्दा है। उन्होंने कहा कि इस मामले का हल निकाला जाएगा।

गौरतलब है कि किसान और सरकार की खींचतान में आम जनता परेशान हो रही है। किसान आंदोलन का असर अंबाला के बाजारों पर पड़ रहा है और बाजार पूरी तरह प्रभावित है। व्यापारियों ने हाल ही में धरनास्थल पर जाकर विरोध भी जताया था। बुधवार सुबह अंबाला के कई बाजार विरोध में बंद रहे। व्यापारियों ने मांग की है कि शंभू बार्डर को खोला जाए क्योंकि उनके व्यापार पर असर पड़ रहा है।

आप एनआईए.......कृपया न्याय का मजाक न बनाए

सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। त्वरित सुनवाई का संवैधानिक अधिकार कथित अपराध की गंभीरता पर निर्भर नहीं हो सकता है, सुप्रीम कोर्ट ने जाली मुद्रा मामले में मुकदमा चलाने में देरी के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को कड़ी फटकार लगा दी है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने जोरदार टिप्पणी करते हुए कहा कि आप एनआईए हैं। कृपया न्याय का मजाक न बनाएं। चार साल हो गये, और मुकदमा शुरू नहीं हुआ। ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। आरोपी ने जो भी अपराध किया है, उस आरोपी को त्वरित सुनवाई का अधिकार है। आदेश में कहा गया कि चाहे कितना भी गंभीर अपराध क्यों न हो, आरोपी को त्वरित सुनवाई का अधिकार है, जैसा कि भारत के संविधान के तहत निहित है। हम आश्चर्य हैं कि जिस तरह से अदालत और अभियोजन एजेंसी इस मामले में आगे बढ़ी है, उससे त्वरित सुनवाई का अधिकार कुंठित हो गया है, जिससे अनुच्छेद 21 का उल्लंघन हुआ है।

अदालत फरवरी 2024 के बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ एक अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें जावेद गुलाम नबी शेख को जमानत देने से इंकार किया था। उन्हें 2020 में मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था, जिससे कथित तौर पर पाकिस्तान से आए नकली नोटों की बरामदगी हुई थी।

जन हितैषी

जिला और पुलिस प्रशासन की लापरवाही से हाथरस में मौत का तांडव

उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के पुलराई गांव में नारायण साकार हरि,उर्फ भोले बाबा के सत्संग में मची भगदड़ मे 116 लोगों की मौत हो जाने की अधिकृत जानकारी है। घटनास्थल से जो जानकारी मिल रही है। उसके अनुसार सैकड़ों लोग अभी भी अपने परिजनों को सत्संग स्थल ओर अस्पतालों के आसपास खोज रहे हैं। सत्संग में जो लोग आए थे। हजारों लोगों के बारे में कोई जानकारी अभी भी नहीं मिल पा रही है। मृतकों की संख्या अभी कई गुना बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। सत्संग में करीब ढाई लाख लोग शामिल हुए। आयोजकों को जिला प्रशासन ने अनुमति दी थी। अनुमति के अनुसार करीब 80000 श्रद्धालुओं के आने का अनुमान जताया गया था। बड़े पैमाने पर सत्संग की व्यवस्था की गई थी। जिला प्रशासन और पुलिस जब इस तरह के आयोजनों को परमिशन देती है। परमीशन देने के बाद जिला प्रशासन की जिम्मेदारी होती है। वह स्थल का निरीक्षण करे। आयोजकों द्वारा जितनी संख्या में अनुमति मांगी गई है। उसके अनुसार व्यवस्था की गई है, या नहीं। आयोजकों द्वारा कार्यक्रम के लिए कौन से इंतजाम किए गए हैं। इंतजाम को देखते हुए जिला प्रशासन परमिशन देता है। उसके बाद जिला प्रशासन अपने स्तर पर कानून व्यवस्था की स्थिति बनाने के साथ-साथ बाहर से आने वाले लोगों के लिए यातायात व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था, के इंतजाम करती है। आयोजन बड़ा होता है, तो जिले के अन्य थानों तथा अन्य जिलों से पुलिस फोर्स बुलाई जाती है। जो सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम को देखते हैं। इस तरीके के आयोजन में जिला प्रशासन के अधिकारी श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आयोजक और जिला प्रशासन संयुक्त जिम्मेदारी का निर्वहन करते हैं। जिला प्रशासन के अधिकारी लगातार समारोह स्थल पर उपस्थित रहते हैं। निश्चित रूप से जब सत्संग की अनुमति दी गई थी। तब यह माना जाना चाहिए, जिला प्रशासन ने भी अपने स्तर पर सारे इंतजाम किए होंगे। जिला प्रशासन की उपस्थिति में अनुमति से अधिक श्रद्धालुओं का आगमन हो रहा था। उसको रोकने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने क्या प्रयास किये? दुर्घटना होने के पहले जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही की गई हो, ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिलता है। घटनास्थल से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस फोर्स बहुत कम संख्या में आयोजन स्थल के पास उपस्थित थी। वह 5000 की भीड़ को भी नहीं संभाल सकती थी। जिले का पुलिस बल,पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं था। प्रशासन के अधिकारी भी वहां पर उपलब्ध नहीं थे। जब लाखों श्रद्धालु वहां पहुंच रहे थे। उस समय भी जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोई प्रयास नहीं किये। जिसके कारण सैकड़ो लोगों की मौत भगदड़ में हुई। आयोजकों से बड़ी जिम्मेदारी जिला प्रशासन के अधिकारियों की है। उसके बाद सरकार की जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन,पुलिस प्रशासन और सरकार अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ रहे हैं। आयोजकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। नारायण साकार उर्फ़ भोले बाबा का नाम एफआईआर में दर्ज नहीं है। बाबा फरार हो चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घटना के दूसरे दिन सत्संग स्थल पर पहुंचे। उन्होंने साजिश की बात कहकर जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ने की कोशिश की है। घायलों का उपचार नहीं हो पा रहा है। अस्पतालों में डॉक्टर नर्स और दवाइयां नहीं है। घायलों को बचाने के लिए एंबुलेंस नहीं है। घायलों को अस्पताल में देखने के लिए मुख्यमंत्री जरूर पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री के पहुंचने के बाद भी घायलों और उनके परिजनों को कोई सहायता नहीं मिल पा रही है। जिनके परिजन भीड़ में दबकर मर गए हैं। उनका पोस्टमार्टम नहीं हुआ उन्हें शव नहीं दिए जा सके हैं। जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। उनकी देखरेख नहीं हो पा रही है। जिनके परिजन अभी भी परिजनों को खोज रहे हैं। कई बच्चों और महिलाओं के मां-बाप पति अस्पताल दर अस्पताल यहां से वहां भटक रहे हैं। उन्हें कोई सूचना आयोजकों और जिला प्रशासन द्वारा नहीं दी जा रही है। सैकड़ो किलोमीटर दूर से आए हुए लोगों के खाने-पीने की कोई व्यवस्था नहीं है। जिस तरह से सांप निकल जाने के बाद लाठी पीटकर आक्रोश जताने की बात की जाती है। ठीक वही स्थिति पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन, और सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ कर रहे हैं। अफवाहों के बल पर पाखंडी बाबाओं द्वारा परेशान और मजबूर लोगों को अपने जाल में फंसाया जाता है। परेशानी दूर करने के नाम पर पाखंडी बाबा गरीबों को अपना भक्त बनाते हैं। भक्तों को बड़े-बड़े सपने दिखाए जाते हैं। पाखंडी बाबा भगवान बनकर भक्तों के कष्ट, चुटकी बजाकर दूर करने का प्रचार प्रसार करते है। पाखंडी बाबाओ के नए-नए कारनामे सामने आने लगे हैं। श्रद्धालुओं से छोटी-छोटी सी रकम भी चढावे के रूप में मिलती है। तो वह करोड़ों रुपए की हो जाती है। पाखंडी बाबा अब भगवानों के ऊपर भी टीका टिप्पणी करने लगे हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश के एक बाबा भगवान कृष्ण और राधा रानी पर लेकर दिए गए बयानों के बाद विवाद में आ गए हैं। बापू आसाराम ऑलरेड्डी जेल में है। बाबा रामरहीम जेल में है। जेल में होते हुए भी हरियाणा सरकार की कृपा उनके ऊपर हमेशा बरसती है। वह जेल में कम और आश्रम में ज्यादा रहते हैं। ऐसे कई बाबा जेलों में बंद है। जिन पर राजनेताओं की कृपा बरसती है। दुखी और परेशान लोगों को यह पाखंडी बाबा अपने आपको ईश्वर का अवतार बता देते हैं। इनके दर्शन करने मात्र से,इनके द्वारा दी गई भभूति से,उनके दिए गए आशीर्वाद से, उनके चरणरज माथे में लगाने से,बाबा द्वारा दिए गए रुद्राक्ष, बाबा का लॉकेट पहनने से हर किस्म के संकट दूर करने का भरोसा भक्तों को दिलाया जाता है। प्रचार तंत्र के कारण इन बाबाओ की दुकान बड़े पैमाने पर चल रही हैं। देखते ही देखते करोड़ों रुपए की संपत्ति पाखंडी बाबा बना लेते हैं। बाबाओं के इस व्यापार मैं राजनेताओं की मिली भगत होने के कारण इनका व्यापार दिनों दिन बढ़ रहा है। पाखंडी बाबाओ की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। सरकारी संरक्षण के कारण यह पाखंडी बाबा इतनी धूर्त हो जाते हैं। जब इस तरह की घटना होती है। तब पाखंडी बाबा बेशर्मी के साथ कहते हैं। जिसका जन्म हुआ है,उसका मरना तय है। जो मर रहे हैं, उसमें भगवान की मर्जी है। सत्संग में मरने वाले निश्चित रूप से स्वर्ग जाते हैं। पाखंडी बाबा मोक्ष पहुंचाने वाले भगवान के ठेकेदार भी बन गए है। सरकार भी ऐसे बाबाओ के समर्थन में आकर खड़ी हो जाती हैं। राजनेताओं के वोट बैंक यह बाबा बन चुके हैं। राजनेता उनके बचाव में खड़े हो जाते हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी साजिश की आशंका बताकर ढोंगी बाबा को बचाने की कोशिश शुरू कर दी है। सत्संग में इतने बड़े पैमाने पर मौत होने की जिम्मेदारी सरकार और जिला प्रशासन द्वारा बरती गई, लापरवाही के कारण हुई हैं। सरकार को यह जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

विपक्ष की सकरात्मक भूमिका लोकतंत्र को बचा सकती!

इस बार के लोकसभा चुनाव मे विपक्ष को मजबूत जनादेश मिला जिसके बल पर वह सकरात्मक कदम उठाकर लोकतंत्र को बचा सकती है। संसद में जनादेश के इस ताकत पर सरकार के गलत कदम पर ब्रेक लगाते हुये उठाकर जनहित में कदम उठाने को मजबूर कर सकती है । यह तभी संभव है जब विपक्ष मिले जनादेश की ताकत को अनर्गल बहस में न उलझाकर संसद में जनहित के मुद्दे उठाये, बहस करे, सरकार को मुद्दे पर अमल करने का दबाव बनाये। लोकसभा चुनाव के बाद राष्ट्रपति अभिभाषण से शुरू होने वाला सत्र मुद्दो से भटककर टकराव की राजनीति में उलझ गया है जहां संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का भाजपा बनाम हिन्दू वाला बयान राजनीतिक तुल पकड़ता जा रहा है। इस बयान ने देश में एक नया राजनीतिक भूचाल खड़ा कर दिया जो लोकतंत्र हित में कदापि नहीं। इस चुनाव में देश की जनता ने विपक्ष को जो जनदेश जिस काम के लिये दिया, विपक्ष उस दिशा में कदम न बढ़ाकर गलत अपना लिया है। जो चर्चा संसद से बाहर की जा सकती उसे संसद में प्रमुख बनाकर सत्ता पक्ष को मुद्दों से भटकाने का कार्य कर रहा है। विपक्ष को जनादेश मिला है पर सत्ता पक्ष अभी भी ताकतवर है जिसने लोकसभा अध्यक्ष का चयन अपनी मर्जी के अनुसार कर विपक्ष को अपनी ताकत का अहसास करा दिया, इस बात को विपक्ष को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लोकसभा उपाध्यक्ष का चयन भी सत्ता पक्ष की मर्जी के अनुसार हीं होना है भले यह जगह अपने सहयोगी दल में से किसी को देनी पड़े पर विपक्ष को इस पद से भी हाथ धोना पड़ सकता है। जब कि विपक्ष इस पद के लिये अपना उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारने का निर्णय भी ले चुका है। वर्तमान राजनीतिक उभरे हालात में पक्ष विपक्ष के बीच केवल आपसी अनर्गल टकराव की स्थिति उभरती नजर आ रही है, जहां वास्तविक जनहित के मुद्दे गौण हो चले है। इस तरह की स्थिति संसद में चर्चा के दौरान विपक्ष द्वारा मुद्दों से हटकर अनर्गल मुद्दे उठाने स`उपजी जिसके लिये विपक्ष पूरी तरह से जिम्मेवार है।

लोकसभा चुनाव में जनता ने जिसे जनादेश दिया, जिसे नहीं दिया, संसद की चर्चा का विषय नहीं है। संसद में जनहित के मुद्दे विपक्ष द्वारा उठाया जाना विपक्ष का सकरात्मक कदम माना जा सकता जिससे लोकतंत्र की मर्यादा बचाने एवं सत्ता पक्ष को गलत कदम उठाने से रोकने में विपक्ष को सफलता मिलती। पर विपक्ष के उठाये वास्तविक महंगाई, बेराजगारी, नीट परीक्षा धांधली, अग्नवीर मुदृदे को भटकाव वाला हिन्दू बनाम भाजपा का मुद्दा निगल गया। इस तथ्य को विपक्ष को समझना होगा। विपक्ष संसद में अनर्गल बहस से बचकर जनहित के मुद्दे उठाते हुये विपक्ष की भूमिका निभा सकता है जिसके लिये देश की जनता ने स्पष्ट जनदेश दिया है जो अपने सकरात्मक कदम से सत्ता पक्ष के गलत कदम को रोककर सही कदम उठाने पर मजबूर कर सकता है। (लेखक- डॉ. भरत मिश्र प्राची / ईएमएस)

हाथरस में भगदड़ हिंदुत्व को प्रणाम !

हाथरस में हुई भगदड़ के कारण बड़ी संख्या में लोगों के मरे जाने के बाद मुझे अपने हिंदू होने पर गौरवानुभूति की जगह ग्लानि हो रही है। लेकिन उत्तर प्रदेश की डबल इंजिन की सरकार को इस घटना के बाद कोई मलाल नहीं है । किसी ने इस हादसे की जिम्मेदारी अपने ऊपर नहीं ली है । कोई इस्तीफा नहीं दे रहा । देश की संसद भी त्रिदेव संवाद के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गयी है। हाथरस में कोई 110 हिन्दू मरे गए हैंइस हादसे के बाद भी मुझे छोड़ पूरी सरकार को हिन्दू होने पर गर्व है

हिन्दू धर्मस्थलों पर भगदड़ कोई नयी चीज नहीं है । दुनिया में हिन्दू धर्म का मुकाबला करने वाला कोई दूसरा धर्म है ही नही। मक्का में पिछले दिनों गर्मी से एक हजार लोग मर गए। इस तरह के हादसों में धर्म का क्या दोष ? डिश है उन लोगों का ,जो धार्मिक है। अनुद्षासन नहीं जानता । अनुशासन नहीं मानता । उन्हें तो मोक्ष चाहिए। चाहे गर्मी से मारकर मिले,चाहे सर्दी से । चाहे भगदड़ से मिले या किसी और रास्ते से ,इस तरह के हादसे में मारे जाने वाले शहीद नहीं होते । उनके लिए कोई मुआवजा नहीं होना चाहिए, लेकिन दो-चार लाख रूपये तो केंद्र और राज्य की सरकारें दे ही देतीं हैं,क्योंकि अंततः वे भी धार्मिक सरकारें हैं।

अगर आप टीवी देखते हैं और अखबार पढ़ते हैं तो आपको ज्ञात होगा कि यूपी के हाथरस के सिकंदराराऊ थाना क्षेत्र के फ़ुलरई गांव में भगवान भोले बाबा के सत्संग में मंगलवार को भगदड़ मच गई। हादसे में 110 से ज्यादा लोगों के मरने की पुष्टि की गई है। भगदड़ के बाद हाथरस और एटा के अस्पतालों में लाशें बिखरी हुई देखी जा रही हैं। अस्पतालों के बाहर चीख पुकार मची है। सूत्रों के मुताबिक सत्संग में करीब 40 हज़ार लोग थे।

हाथरस में जिन भोले बाबा का सत्संग था वे हिमालय के भोले बाबा नहीं थे ,उन्हें तो फ़ुरसत ही कहाँ है जमीन पर आने की। हाथरस के भोले बाबा हमारे नेताओं की तरह नान-बायलोजिकल या अवनाशी हैं। साकार हरि बाबा उर्फ भोले बाबा का असली नाम सूरज पाल सिंह है। बाबा कासगंज के पटयाली के रहने वाले हैं। करीब 17 साल पहले पुलिस कांस्टेबल की नौकरी छोड़कर सत्संग करने लगे। नौकरी छोड़ने के बाद सूरज पाल नाम बदलकर साकार हरि बन गए। अनुयायी उन्हें भोले बाबा कहते हैं। कहा जाता है कि गरीब और वंचित तबके के लोगों के बीच में इनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी। कुछ समय में लाखों की संख्या में अनुयायियों बन गए। उत्तर प्रदेश के अलावा मध्य प्रदेश और राजस्थान में इनके अनुयायी फैले हैं।

हाथरस के भोले बाबा सबसे अलग हैं। साकार हरि बाबा अपने सत्संग में मानव सेवा का संदेश देते हैं। ज्यादातर सत्संग में लोगों से बाबा कहते हैं कि मानव की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। सत्संग में आने से रोग मिट जाते हैं, मन शुद्ध होता है, यहां पर कोई भेदभाव नहीं, कोई दान नहीं और कोई पाखंड नहीं। दावा करते हैं यहीं सर्व समभाव है यहीं ब्रह्मलोक है, यहीं स्वर्ग लोक है। अब इन भोले बाबा से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बाबा आदित्यनाथ तो जूझ नहीं सकते । उनसे इस्तीफा भी नहीं मांग सकते। खुद इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता। इस्तीफा देने के लिए नैतिकता चाहिए,जमीर चाहिए जो शायद ही किसी नेता के पास होता हो। हाथरस के भोले बाबा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत मुकदमा भी दर्ज नहीं हो सकता,गिरफ्तारी तो बहुत दूर की बात है । बीएनएस यानि भारतीय न्याय संहिता तो रेहड़ी-पटरी वालों के लिए बनी हा। अविनाशी और सत्यानाशी ,अवतारी इस संहिता के दायरे में नहीं आते।

इस हादसे के बाद मुख्यमंत्री जो कर सकता है सो कर ही रहा है । आगरा के अपर पुलिस महानिदेशक और अलीगढ़ के आयुक्त के नेतृत्व में टीम गठित कर दुर्घटना के कारणों की जांच के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने अगले 24 घंटों में जांच रिपोर्ट मांगी है। युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य हो रहा है।आगरा के अपर पुलिस महानिदेशक और अलीगढ़ के आयुक्त के नेतृत्व में टीम गठित कर दुर्घटना के कारणों की जांच के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने अगले 24 घंटों में जांच रिपोर्ट मांगी है। युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य हो रहा है।इस हादसे के पहले हमारी संसद में राहुल गाँधी और प्रधानमंत्री जी के बीच हिंदुत्व के हिंसक और अहिंसक होने पर बहस हो रही थी। राहुल कह रहे थे की हिन्दू हिंसक हो ही नहीं सकता लेकिन भाजपा हो सकती है। और प्रधानमंत्री जी कह रहे थे कि पूरे हिन्दू समाज को हिंसक कहना बहुत गंभीर बात है।

दरअसल भारत कृषि प्रधान नहीं बल्कि भगदड़ प्रधान देश है । यहां यदि भगदड़ न हो तो मजा ही नहीं आता। 2005 में महाराष्ट्र के मंधारदेवी मंदिर में हुई भगदड़ में 340 श्रद्धालुओं की मौत और 2008 में राजस्थान के चामुंडा देवी मंदिर हुई भगदड़ में कम से कम 250 लोगों की मौत शायद आपको याद ही न हो। हिमाचल प्रदेश के नैना देवी मंदिर में भी 2008 में ही धार्मिक आयोजन के दौरान मची भगदड़ में 162 लोगों की जान चली गई थी। आपको हाल के वर्षों में देश में मंदिरों और धार्मिक आयोजनों के दौरान भगदड़ की कुछ प्रमुख घटनाएं के बारे में बताते हैं.

हमारे अपने मध्यप्रदेश में 31 मार्च 2023: इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के अवसर पर आयोजित हवन कार्यक्रम के दौरान एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब ढह जाने से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई.एक जनवरी 2022: जम्मू-कश्मीर स्थित प्रसिद्ध माता वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक घायल हो गए थे। 14 जुलाई 2015 में आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी जिले में 'पुष्करम' उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर एक प्रमुख स्नान स्थल पर भगदड़ से 27 तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो गई तथा 20 अन्य घायल हो गएथे। तीन अक्टूबर 2014 में दशहरा समारोह समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मचने से 32 लोगों की मौत हो गई थी। 13 अक्टूबर 2013 को मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि उत्सव के दौरान मची भगदड़ में 115 लोगों की मौत हो गई और 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे भगदड़ की शुरुआत नदी के पुल टूटने की अफवाह से हुई जिसे श्रद्धालु पार कर रहे थे।

मै यदि आपको देश और विदेश में हुई भद्द की घटनाओं को गिनाने बैठूं तो रात हो जाएगी ,इसलिए संक्षेप में ये कहा जा सकता है कि हम यानि हमारा समाज,हमारी सरकार हादसों को याद रखने और उनसे सीख लेने की जरूरत नहीं समझती । हादसे भगवान की देन है । उनके बारे में कोई कुछ कह नहीं सकता । संसद में सवाल नहीं उठाये जा सकती । उनके लिए जांच की मांग बेमानी है । इस्तीफा मांगना अनैतिकता है इसलिए आइये हाथरस हादसे में मारे गए लोगों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करें और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जतायें। सरकार के प्रति आभार जतायें की उसने जो हो सकता था सो किया। हमें किसी का इस्तीफा-सिस्टीफ़ा नहीं चाहिए। हम हादसा प्रूफ होना ही नहीं चाहते,क्योंकि धर्म स्थलों और सत्संगों में प्राण जाना सीधा मुक्ति दिलवाता है । सरकार ये सब नहीं कर सकती। अतः इतिश्री। जय-जय शिव शंकर। कांटा लगे न कंकर।(लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

नारायण साकार की चरण रज बन गई मौत का

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से एटा को जोड़ने वाले नेशनल हाइवे 34 पर सिकन्द्राराऊ क़स्बे से क़रीब चार किलोमीटर दूर है फुलराई गांव ।इसी गांव की सैकड़ों बीघा ज़मीन में नारायण साकार उर्फ भोले बाबा के प्रवचनों के लिए टेंट लगाया गया था।निर्धारित समय पर प्रवचन शुरू हुआ और जब बाबा प्रवचन करके जाने लगे तो उनकी चरण रज पाने के लिए अचानक उनकी तरफ भीड़ उमड़ पड़ी।दोपहर ढाई बजे भीड़ के बीच मची भगदड़ में बच्चो, महिला,बुजुर्ग व युवा भी एक दूसरे के नीचे दबकर कुचले जाते रहे और देखते ही देखते 122 बाबा भक्तों की जान चली गई जबकि बाबा भीड़ में कुचले अपने भक्तों की जान बचाने के बजाए बेरहमी के साथ वहां से भाग निकले और अभी तक फरार है।इस हादसे में अधिकतर लोगों की मौत, आयोजन स्थल के उस पार हाइवे किनारे हुई है।चश्मदीदों के मुताबिक़, जो इस भगदड़ में गिरा वो उठ नहीं सका। दिन में हुई बारिश की वजह से भी मिट्टी गीली थी और फिसलन थी, इससे भी हालात और मुश्किल होते चले गए।प्रवचन स्थल पर

नारायण साकार विश्व हरि उर्फ़ भोले बाबा के निकलने के लिए अलग से रास्ता बनाया गया था। बहुत सी महिलाएं बाबा के क़रीब से दर्शन पाने के लिए खड़ी थीं।जैसे ही सत्संग समाप्त हुआ, हाइवे पर भीड़ बढ़ गई,नारायण साकार जब अपने वाहन की तरफ़ जा रहे थे, उसी समय भगदड़ मची।नारायण साकार के भक्त जब भगदड़ में फँसे थे, वो वहां रुके बिना बाबा आगे बढ़ गए। घायलों को आनन-फानन में सिकनद्राराऊ सीएचसी ले जाया गया। सीएचसी के ट्रामा सेंटर के आंगन में लाशों का ढेर लग गया था।

हाथरस में पत्रकारिता कर रहे बीएन शर्मा बताते हैं, ''मैं चार बजे यहां पहुंचा. हर जगह लाशें पड़ी हुई थीं। एक लड़की की सांस चल रही थी। उसे इलाज नहीं मिल सका और मेरे सामने ही उसने दम तोड़ दिया।''

सिकन्द्राराऊ का यह सबसे बड़ा अस्पताल है लेकिन इसकी क्षमता इतनी बड़ी संख्या में हताहतों को संभालने के लिए काफ़ी नहीं थी।नारायण साकार के सत्संग में आने वाले अधिकतर लोग कमज़ोर आर्थिक वर्ग और पिछड़ी जातियों से हैं।एक दूसरे के संपर्क में आने से ये अपने आप को बाक़ी सत्संगियों के क़रीब पाते हैं और जीवन में आ रही चुनौतियों के समाधान के लिए नारायण साकार का सहारा लेते हैं।नारायण साकार हाथरस में पिछले कुछ सालों में कई बार सत्संग कर चुके हैं और हर बार पिछली बार से अधिक भीड़ होती है जो इस बात का इशारा है कि सत्संग से जुड़ने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ''बाबा के सत्संग में मीडिया की एंट्री नहीं होती है, वीडियो बनाने पर रोक रहती है।''

सत्संग स्थल की साफ़-सफ़ाई भक्तगण ख़ुद करते हैं और बाक़ी ज़िम्मेदारियां भी स्वयं ही संभालते हैं। भीड़ के प्रबंधन से लेकर ट्रैफिक के प्रबंधन तक का काम सत्संगियों के ही जिम्मे होता है।

नारायण साकार की सुरक्षा में सत्संगियों का भारी दस्ता रहता है जो उनके इर्द-गिर्द चलता है, जिसकी वजह से नारायण साकार के क़रीब तक पहुंचना मुश्किल है।

सत्संग के दौरान बाबा के पैरों और शरीर को धोने वाले जल जिसे ये भक्त चरणामृत कहते है, इस चरणामृत को लेने की होड़ भी भक्तों में मची रहती है।भक्त बाबा के चरणों की धूल को आशीर्वाद समझते हैं और बाबा जहां से गुज़रते हैं, वहां की मिट्टी को उठाकर ले जाते हैं। जब भगदड़ मची, बहुत सी महिलाएं इसी धूल को उठाने के लिए नीचे झुकी हुईं थीं। यही वजह है कि जब भगदड़ मची, बहुत से लोगों को उठने का मौक़ा ही नहीं मिल पाया।हाथरस हादसे को लेकर प्रशासन की ओर से जारी सूची के मुताबिक मरने वालों में ज़्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं. इनमें से कई लोगों की पहचान नहीं हो पाई है।

हाथरस भगदड़ में अब तक 122 की मौत हो चुकी है। उत्तर प्रदेश के हाथरस में बाबा भोले के सत्संग में मची भगदड़ के बाद अब अस्पताल में अपनों की तलाश में लोग भटक रहे हैं। हादसे में घायल और मृतकों को अलग-अलग अस्पताल में ले जाया गया है।ऐसे में उनकी तलाश और बढ़ गई है। इस हादसे में मरने वालों की संख्या 122 तक पहुंच गई है। इनमें से कईयों की अब तक पहचान नहीं हो पाई है।इसके लिए प्रशासन की ओर मृतकों की सूची जारी की गई है। डीजीपी प्रशांत कुमार भी घटना स्थल पर पहुंचे और हालात का जायज़ा लिया।डीजीपी ने कहा कि इस मामले में जांच की जा रही है। साथ ही एफआईआर दर्ज कराई जा रही है। जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई होगी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व मुख्य सचिव ने भी घटना स्थल का दौरा किया व घायलों से मिले।उत्तर प्रदेश सरकार ने मृतको के परिजनों को 2 -2 लाख रुपये व घायलों को 50-50 हजार रुपये देने की घोषणा की है।

राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं हैं। अधिकांश अनुयायियों की मौत दम घुटने के कारण हुई। हाल के वर्षों में हुई यह सबसे बड़ी त्रासदी है।

कुछ लोगों का कहना है कि लोग प्रवचनकर्ता की कार के पीछे भागते समय कीचड़ में फिसल गए, जिससे भगदड़ मच गई।

हाथरस जिले के फुलरई गांव में बाबा नारायण हरि द्वारा आयोजित सत्संग में शामिल होने के लिए लाखों अनुयायी पहुंचे हुए थे।बाबा नारायण हरि, साकार विश्व हरि भोले बाबा के नाम से चर्चित हैं। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं और लोगों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं।हाथरस के सिंकदराराऊ ट्रॉमा सेंटर के बाहर दिल दहला देने वाला मंजर था। भगदड़ में जान गंवाने वालों और बेहोश लोगों को एंबुलेंस में भरकर लाया गया, एंबुलेंस कम पड़ गईं तो लोग शवों को कार में भरकर अस्पताल लाने लगे, कार कम पड़ गई तो ऑटो में घायलों और दम तोड़ चुके लोगों को लाया जाने लगा। ऑटो कम पड़ गया तो टैंपों में भरकर उन लोगों को अस्पताल लाया गया।सत्संग कराने वाला बाबा जो खुद को नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा कहता है, वो अंडरग्राउंड है। उसका कुछ पता नहीं चला है। देर रात यूपी पुलिस ने भोले बाबा की तलाश में मैनपुरी जिले के राम कुटीर चैरिटेबल ट्रस्ट में सर्च ऑपरेशन चलाया. वहीं आईजी शलभ माथुर ने कहा कि सत्संग आयोजकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि घटना का दोषी कोई भी हो, वो बचेगा नहीं, उस पर कठोर कार्रवाई होगी।सत्संग में करीब 1 से डेढ़ लाख लोग शामिल हुए थे। करीब 50 से 60 बीघा खेत में पंडाल लगाया गया था। सत्संग खत्म होने के बाद लोग अचानक बाहर की ओर निकले, लेकिन एग्जिट गेट बेहद संकरा था और रास्ते में नाला था। आसपास कीचड़ थी। इसी दौरान भगदड़ मची और लोग एक के ऊपर एक नाले में गिर गए और वहां करीब डेढ़-2 घंटे तक दबे रहे।

एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि खेत में सत्संग का पंडाल लगा हुआ था। सत्संग का समापन होने के बाद गुरुजी की कार निकली। उनके चरण छूने के लिए लोग दौड़ पड़े और भगदड़ मच गई। कई लोग एक के ऊपर एक गिरते गए।साकार हरि बाबा उर्फ भोले बाबा का असली नाम सूरज पाल सिंह है। बाबा कासगंज के पटयाली के रहने वाले हैं। करीब 17 साल पहले पुलिस कांस्टेबल की नौकरी छोड़कर सत्संग करने लगे। नौकरी छोड़ने के बाद सूरज पाल नाम बदलकर साकार हरि बन गए। अनुयायी उन्हें भोले बाबा कहते हैं।सत्संग में लोगों से बाबा कहते हैं कि मानव की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। सत्संग में आने से रोग मिट जाते हैं, मन शुद्ध होता है, यहां पर कोई भेदभाव नहीं, कोई दान नहीं और कोई पाखंड नहीं। दावा करते हैं यहीं सर्व समभाव है यहीं ब्रह्मलोक है, यहीं स्वर्ग लोक है। वह महंगे गॉगल, सफेद पैंटशर्ट पहनते हैं। अपने प्रवचनों में बाबा पाखंड का विरोध भी करते हैं। चूंकि बाबा के शिष्यों में बड़ी संख्या में समाज के हाशिए वाले, गरीब, दलित आदि शामिल हैं। उन्हें बाबा का पहनावा और यह रूप बड़ा लुभाता है।भोले बाबा का आश्रम कासगंज जिले के पटियाली तहसील क्षेत्र के बहादुरनगर गांव में मौजूद है। यह उनका पैतृक गांव भी है। भोलेबाबा का बहादुर नगर में बड़ा आश्रम बना है।हादसे के बाद सब परते खुल रही है,लेकिन इससे पहले किसी ने बाबा के अतीत में झांकने की कौशिश नही की। (लेखक - डॉ. श्रीगोपाल नारसन/ ईएमएस) (लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

टी20 से संन्यास नहीं ले रहा : मिलर

जोहांसबर्ग (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेटर डेविड मिलर ने कहा है कि वह अभी टी20 अंतराष्ट्रीय से संन्यास नहीं ले रहे हैं। मिलर ने कहा कि इस प्रकार की जो भी खबरें आ रही हैं वे गलत हैं। इससे पहले ये अफवाह उड़ी थी विश्वकप में खिताबी मुकाबले में मिली हार से निराश मिलर ने संन्यास ले लिया है। इस आक्रामक बल्लेबाज ने सोशल मीडिया पर कहा है कि वह दक्षिण अफ्रीका के लिए इस प्रारूप में खेलते रहेंगे। मिलर के अनुसार कई मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाने की निराशा में उन्होंने संन्यास ले लिया है जो गलत है। मिलर ने अपनी कहा, मैंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास नहीं लिया है। मैं टीम के लिए उपलब्ध रहूंगा क्योंकि मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना अभी शेष है।

खिताबी मुकाबले में 177 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका को अंतिम ओवर में 16 रन चाहिए थे। तब मिलर छक्का लगाने के प्रयास में कैच हो गये थे। इसी के साथ अफ्रीकी टीम की उम्मीदें भी समाप्त हो गयी थीं। फाइनल के बाद मिलर निराश दिखे थे। उन्होंने मैच के बाद कहा कि मैं बहुत निराश हूं। इस प्रकार की हार को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

शब्द पहेली - 8057

बाएँ से दाएँ

1. परिचय, जानना-2,4
5. वायु रोग-2
7. उत्साह, जिज्ञासा
9. कांटा, शूल
10. पिता, साधू-2
11. योद्धा जाति, राजपूत-3
14. थकान-4
16. मिसाल के तौर पर-4
20. ध्वजा, पताका-3
22. सीमा, बार्डर-2
23. बुरी आदत-2
24. समस्या, मुद्दा-3
27. जोर, दम, ताकत-2
28. दिखावटीपन, आडंबर, -3,3

ऊपर से नीचे

1. सीतापति, रामचंद्र-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. धोखेबाज, दगाबाज-4
4. नलका, टौंटी-2
6. पुत्र, लड़का-3
8. कमरा, रूम-2
12. तीनों काल-3
13. पार्थिव शरीर, लाश-2
15. कजरा, अंजन-3
17. सच्चाई, सच-2
18. सेंधमार-5
19. पुचकारना, हाथ फेरना-4
20. धोखा, दगा-3
21. जरा, थोड़ा-2
25. सभी, संपूर्ण-2
26. राजेश खन्ना व मुमताज की बेहतरीन फिल्म-2

शब्द पहेली -8056 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

ओलंपिक में नजर नहीं आयेंगे मैसी

पेरिस (ईएमएस)। अर्जेंटीना के कप्तान और स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी को पेरिस ओलंपिक के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। टीम के कोच जेवियर माशेरानो ने ओलंपिक जा रही टीम में विश्व कप में शामिल रहे स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज और डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी सहित चार खिलाड़ियों को ही शामिल किया हैं। 37 साल के मेसी अभी कोपा अमेरिका कप में अर्जेन्टीना की ओर से उतरें हैहैं। टीम का लक्ष्य 2021 में जीते गए महाद्वीपीय खिताब को बरकरार रखना है। अर्जेन्टीना ने 2021 में कोपा अमेरिका कप जीतने के बाद 2022 में विश्व कप भी जीता था। मेसी ने अब तक केवल एक बाहर ही ओलंपिक खेला हैं। साल 2008 में टीम की जीत में उनकी अहम भूमिका रही थी।

ओलंपिक पुरुष फुटबॉल टूर्नामेंट अंडर-23 टीम के लिए होता है पर हर टीम में तीन अधिक उम्र के खिलाड़ियों को भी शामिल करने की अनुमति दी जाती है। वहीं साल 2004 और 2008 में खिलाड़ी के तौर पर ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले माशेरानो कोपा के अलावा गोलकीपर गेरोनिमो रूली, ओटामेंडी और अल्वारेज को टीम में जगह दी गयी है। अर्जेंटीना की टीम ओलंपिक में अपना पहला मुकाबला 24 जुलाई को मोरक्को से खेलेगी।

कोलंबिया और ब्राजील कोपा अमेरिका फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

सेंटा क्लारा (ईएमएस)।। कोलंबिया और ब्रालील की टीमें कोपा अमेरिका फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी है। कोलंबियाई टीम ने डेनियल मुनोज के पहले हाफ के इंजरी टाइम में किय गोल की सहायता से ब्राजील को 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। इससे वह टूर्नामेंट के ग्रुप डी में शीर्ष पर रहने के कारण क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी है। वहीं ब्राजील की टीम भी दूसरे स्थान पर रहते अंतिम आठ में पहुंच गयी है। ब्राजील की ओर से राफिन्हा ने 12वें मिनट में एक गोल कर अपनी टीम को बढ़त दियायी पर मुनोज ने पहले हाफ के इंजरी टीम में गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया जिसके बाद दोनों ही टीमें गोल करने में विफल रहीं। इस ड्रॉ के साथ ही कोलंबिया की टीम पिछले 26 मैचों से अपराजेय बनी हुई है।

कोलंबिया की टीम तीन मैच में दो जीत और एक ड्रॉ से सात अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गयी है। वहीं ब्राजील की टीम एक जीत और दो ड्रॉ के साथ ही पांच अंक लेकर दूसरे स्थान पर पहुंच। अब क्वार्टर फाइनल में कोलंबिया का समना पनामा जबकि ब्राजील का उरूग्वे से होगा।

डेमिरल के गोल से तुर्की की टीम यूरो कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

लीपजिग (ईएमएस)। मेरिह डेमिरल के दो गोल की बदौलत तुर्की ने ऑस्ट्रिया को 2-1 से हराकर यूरो कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। तुर्की ने इस मैच में यूरो टूर्नामेंट के नॉकआउट चरणों में सबसे तेज गोल करने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। डेमिरल ने मैच शुरु होने के 57 सेकंड बाद ही पहला गोल कर दिया। वहीं ऑस्ट्रिया ने भी गोल के प्रयास किये पर वह नहीं कर पाये।

डेमिरल ने इसके बाद एक और गोल दाग दिया जिससे तुर्की की टीम 2-0 से आगे हो गई। इसके बाद ऑस्ट्रिया ने भी आक्रमण किये पर वह तुर्की की रक्षापंक्ति को भेद नहीं पायी। ऑस्ट्रिया के हर खिलाड़ी ने बराबरी के लिए आगे आकर प्रयास किया। वहीं जबकि तुर्की ने अपने सभी खिलाड़ियों को गेंद के पीछे रखा, ताकि जवाबी हमले के अवसरों की प्रतीक्षा की जा सके।

ऑस्ट्रिया के बारिस यिलमाज को गोल का अच्छा अवसर भी मिला पर वह असफल रहे। ऐसे में तुर्की 2008 के बाद पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया। अब शनिवार को उसका सामना नीदरलैंड से होगा। हार से निराश ऑस्ट्रियाई कोच रैंगनिक ने कहा कि हमारी टीम अवसरों का लाभ नहीं उठा पाने के कारण हारी है।

भारतीय टीम के चार्टर प्लेन से आज स्वदेश पहुंचने की उम्मीद

मुम्बई (ईएमएस)। टी20 विश्वकप में जीत के बाद से ही खराब मौसम और तूफान के कारण बारबाडोस में फंसी भारतीय क्रिकेट टीम अब बीसीसीआई के स्पेशल चार्टर प्लेन से भारत लौट रही है। टीम के आज सुबह उड़ान भरने की जानकारी मिली है और उसके गुरुवार सुबह तक स्वदेश पहुंचने की उम्मीद है। बारबाडोस में हाई अलर्ट जारी होने के बाद से ही सभी उड़ाने रद्द करनी पड़ी थी। अब जबकि मौसम कुछ ठीक हुआ है जिससे एयरपोर्ट आंशिक रुप से शुरु हुआ है। बीसीसीआई सचिव जय शाह भी टीम के साथ आ रहे हैं , इसके अलावा उनके साथ मीडियाकर्मी भी होंगे। ये भी यहां फंसे हुए हैं। ऐसे में बोर्ड सचिव ने इन्हें भी साथ चलने को कहा।

बीसीसीआई सचिव ने कहा था कि टीम इंडिया के साथ उनकी जिम्मेदारी मीडिया साथियों को भी बारबाडोस से सुरक्षित निकालने की है। उन्होंने टीम इंडिया के साथ सभी भारतीय मीडिया साथियों को भी चार्टर प्लेन से साथ चलने का प्रस्ताव दिया था। बीसीसीआई द्वारा उठाए गए इस कदम की मीडियाकर्मियों ने भी सराहना की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारतीय टीम की स्पेशल फ्लाइट गुरुवार सुबह 6 बजे नई दिल्ली में उतरेगी। टी20 विश्व कप विजेता टीम, अपने सहयोगी स्टाफ, कई बीसीसीआई अधिकारियों और खिलाड़ियों के परिवारों के साथ, तूफान बेरिल के कारण बारबाडोस में फंसी हुई है। भारतीय टीम को स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे (आईएसटी) बारबाडोस से रवाना होना था, लेकिन तूफान बेरिल के कारण इसमें देरी हुई। टीम के ब्रिजटाउन से सीधे दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। यहां पहुंचने के बाद खिलाड़ियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सम्मानित किया जाएगा, हालांकि उस कार्यक्रम की अभी तक कोई पुष्टि नहीं हुई है।

विंबलडन टेनिस : गत विजेता वोंड्रोसोवा पहले दौर में ही हारी

लंदन (ईएमएस)। चेक गणराज्य की मार्केटा वोंड्रोसोवा विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पहले ही दौर में हार के साथ बाहर हो गयी हैं। वोंड्रोसोवा को स्पेन की जेसिका बौजास मानीरो ने सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया। साल 1994 के बाद विंबलडन टेनिस के शुरुआती दौर में हार का सामना करने वाली वह पहली मौजूदा चैंपियन है। वोंड्रोसोवा ने पिछले साल विंबलडन खिताब जीता था। 1968 में शुरू हुए खेल के ओपन युग में इससे पहले केवल एक बार ऐसा हुआ है जब गत चैंपियन खिलाड़ी पहले दौर में हार गयी हो। साल 1994 में स्टेफी ग्राफ को लोरी मैकनील ने हराया था। वोंड्रोसोवा को इस बार छठी वरीयता दी गई थी। वह 2019 फ्रेंच ओपन में उपविजेता और टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक विजेता भी थी। वह हालांकि जेसिका के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकी। पिछले महीने बर्लिन में एक टूर्नामेंट के दौरान गिरने से उनका कुल्हा चोटिल हो गया था। ये भी लगाता है कि वह इस चोट से पूरी तरह से नहीं उबर सकीं हैं। वहीं स्पेन की जेसिका ने कहा कि यह मेरे जीवन और मेरे करियर का सबसे अहम क्षण है।

हरारे के मैदान पर बड़े स्कोर बनाना चाहेगी भारतीय टीम

हरारे (ईएमएस)। शुभमन गिल की कप्तानी में युवा खिलाड़ियों से भरी भारतीय क्रिकेट जिम्बाब्वे दौरे पर गयी है। इसमें मुख्य कोच की भूमिका पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण निभायेंगे। भारतीय टीम को इस दौर में पांच टी20 मुकाबले खेलने हैं। इसका पहला मुकाबला 6 जुलाई को होना है। सभी मैच हरारे के मैदान पर होने हैं जहां जमकर रन बनते हैं। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में अब तक 44 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच हुए हैं। यहां पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 25 मैच जीते, जबकि पीछा करने वाली टीम ने 19 मैच जीते हैं। हरारे में एक टीम का सबसे अधिक स्कोर 229 है। सबसे कम टीम स्कोर 90 है। आयोजन स्थल पर औसत स्कोर 165 है। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य यहां बड़े स्कोर बनाना रहेगा। भारतीय टीम में शामिल युवा खिलाड़ी अधिक से अधिक रन बनाकर टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे।

भारतीय टीम ने हरारे में अब तक खेले 5 मुकाबले जीते हैं। दोनों टीमों ने आखिरी बार 8 साल पहले हरारे के मैदन पर एक साथ खेला था। तब केदार यादव ने 58 रन की पारी खेलकर भारत को 138 रन तक पहुंचाया था। इस मैच में मेजबान जिम्बाब्वे तीन रनों से हारी थी।

सीरीज का कार्यक्रम इस प्रकार है :गुजरात की घटना से मेरी बात पर लगी मुहर...कांग्रेस ऑफिस पर हमले को राहुल गांधी ने बनाया मुद्दा, जानें क्या कहा? पहला टी20 मैच : 6 जुलाई, हरारे, शाम 4:30 बजे, दूसरा टी20 मैच : 7 जुलाई, हरारे, शाम 4:30 बजे,तीसरा टी20 मैच : 10 जुलाई, हरारे, शाम 9:30 बजे, चौथा टी20 मैच : 13 जुलाई, हरारे, शाम 4:30 बजे, वां टी20 मैच : 14 जुलाई, हरारे, शाम 4:30 बजे

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद,पहली बार 80,074 के रिकार्ड स्तर पर पहुंचने के बाद फिसला

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग और एफएमसीजी शेयरों में खरीदारी हावी होने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई

सूचकांक सेंसेक्स 632.85 अंक करीब 0.79 फीसदी बढ़कर दिन में पहली बार 80,074.30 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया पर अंत में ये कुछ नीचे आकर 80,000 के स्तर के करीब 79,986.80 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 162.65 अंक तकरीबन 0.67 फीसदी बढ़कर 24,286.50 के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया। दिन के दौरान, यह 183.4 अंक करीब 0.76 फीसदी बढ़कर 24,307.25 के नए रिकॉर्ड शिखर पर पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान अदाणी पोर्ट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, पावर ग्रिड, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फाइनेंस और टाटा स्टील के शेयर ऊपर आये जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर नीचे आये हैं।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो सियोल, टोक्यो और हांगकांग के बाजार में उछाल आया जबकि चीन के शंघाई में गिरावट रही। यूरोपीय बाजारों में बढ़त रही। अमेरिकी बाजार गत दिवस बढ़त के साथ बंद हुए। गत दिवस बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था।

वहीं आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई और उसने नई ऊंचाइयों पर खुलकर एक नया रिकॉर्ड बनाया। सेंसेक्स पहली बार 80,000 का स्तर पार किया और 80,039 अंकों के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। वहीं निफ्टी50 इंडेक्स 169 अंकों की तेजी के साथ 24,292 के नए उच्चतम स्तर पर पहुंचा। दूसरी ओर अमेरिकी बाजारों में डॉव जोन्स में 0.41 फीसदी, एसएंडपी में 0.62 फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट में 0.84 फीसदी की वृद्धि हुई।

सोना 71,700, चांदी भी 88 हजार के पार

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत बुधवार को तेज रही। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71,700 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 88,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 159 रुपये की तेजी के साथ 71,713 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 167 रुपये की तेजी के साथ 71,721 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 404 रुपये की तेजी के साथ 88,286 रुपये पर खुला। इस समय यह 540 रुपये की तेजी के साथ 88,422 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,338.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,333.40 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 3.80 डॉलर की तेजी के साथ 2,337.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.81 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.65 डॉलर था। इस समय यह 0.20 डॉलर की तेजी के साथ 29.85 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

बजरंग ने नाडा पर लगाये गंभीर आरोप

नई दिल्ली (ईएमएस)। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने आरोप लगाया है कि नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) उनका करियर समाप्त करना चाहती है। इसलिए उन्हें एक ही मामले को लेकर दो-दो बार निलंबित किया गया है। बजरंग के अनुसार नाडा ने सभी तथ्यों को परे रखकर काम किया है। इससे साफ है कि उन्हें परेशान कर खेल छोड़ने के लिए विवश किया जा रहा है।

बजरंग को नाडा ने पहले 5 मई और उसके बाद 23 जून को दोबारा निलंबित कर दिया था। इसके साथ ही उन्हें नोटिस देकर 11 जुलाई तक जवाब देने को कहा है। वहीं बजरंग ने कहा कि नाडा नहीं चाहता कि कोई उनके गलत तरीकों पर सवाल उठाए और अगर कोई ऐसा करता है तो उसे निशाना बनाकर बाहर कर दिया जाता है। साथ ही सवाल किया कि नाडा एक्सपायर हो चुकी किट के बारे में जवाब क्यों नहीं देता है। वो इस बात का जवाब क्यों नहीं देते हैं कि कैसे एक गलत किट उन्हें दी गयी। इसके अलावा सैंपल कलेक्शन के लिए मुझपर दबाव बनाया। नाडा इस बात का जवाब क्यों नहीं देता कि दो मैचों के बीच सैंपल कलेक्शन के लिए मुझपर दबाव दिया गया, जबकि उन्हें पता था कि मेरे पास अगली कुश्ती की तैयारी करने के लिए केवल 20 मिनट थे। वहीं नाडा का कहना है कि बजरंग को जांच के लिए सैंपल नहीं देने के लिए निलंबित किया गया था।

रूस जा रहे पीएम मोदी......इस बाहुबली के सौदे पर हो सकती बात

मास्को (ईएमएस)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8-9 जुलाई को रूस की यात्रा पर जा रहे हैं। पीएम मोदी की मास्को यात्रा को इस नजरिए से देखा जा रहा है कि वे दुनिया को यह संदेश देना चाहते हैं कि भारत और रूस की दोस्ती कमजोर नहीं हुई है। माना जा रहा है कि इस बातचीत के दौरान पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट को लेकर चर्चा हो सकती है। पुतिन रूस के सुखोई-57 को लेकर पीएम मोदी से बातचीत कर सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक पीएम मोदी और पुतिन के बीच बातचीत में एक लॉजिस्टिक सप्लाई समझौते को शामिल किया जा सकता है जो दोनों देशों की सेनाओं के बीच में होगा। इसके अलावा पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट के संयुक्त विकास पर फिर से बातचीत शुरू करने तथा परमाणु ऊर्जा पर सहयोग को बढ़ाने पर भी बातचीत होगी है। उन्होंने बताया कि दोनों ही देश फिर से रक्षा सहयोग को बढ़ाने पर काम कर रहे हैं जो पेमेंट में दिक्कत और भारत के पश्चिमी प्रतिबंधों के डर की वजह से यह रुक गया था। अब रूस और भारत के बीच पेमेंट का विवाद खत्म हो गया है।

सूत्र बताते हैं कि भारत का पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट के लिए फिर से बातचीत शुरू करना कई कारणों से एक तर्कपूर्ण फैसला है। इस पांचवीं पीढ़ी के नए फाइटर जेट को सुखोई 57 के आधार पर ही बनाया जाना है। वहीं भारतीय वायुसेना दो सीटों वाले फाइटर जेट को चाहती थी। इस कारण भारत ने खुद को सुखोई-57 के प्रोग्राम से खुद को अलग कर लिया था। हालांकि बाद में इस खरीदने के विकल्प को भारत ने खुला रखा था। सूत्र ने कहा कि इसके बाद से रूस ने भारतीय वायुसेना की बताई हुई कमियों को दूर किया है और ऑपरेशनल टेस्टिंग की है। सुखोई 57 के ताजा वेरिएंट में दो इंजन है जो सुखाई को सुपरक्रूज क्षमता प्रदान करता है। भारत और रूस के बीच यह बातचीत तब शुरू हो सकती है

6700 करोड़पतियों का नया आशियाना बनने को तैयार दुबई

दुबई (ईएमएस)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का व्यापारिक केंद्र दुबई दुनिया भर के अमीरों के आकर्षण का केंद्र है। एक रिपोर्ट के अनुसार दुबई में इस साल 6700 करोड़पतियों के आने का अनुमान है। अब दुबई में आने वाले अमीर लोगों की संख्या अमरीका से लगभग दोगुना है। अमरीका में इसतरह के 55 लाख लोग 10 लाख डॉलर या उससे अधिक की संपत्ति रखते हैं।

दुबई व्यापार करने के लिए आसान जगह होने के साथ ही दुनिया में लगभग हर जगह के लिए यहां से सुविधाजनक उड़ानें है। इसकी सड़कें न्यूयॉर्क या लंदन की तुलना में ज्यादा साफ-सुथरी और अधिक सुरक्षित हैं। दूसरा यह विदेशी अमीरों को इसलिए भी अपनी ओर आकर्षित करता है क्योंकि यहां पर आय, संपत्ति या पूंजीगत लाभ पर कोई टैक्स नहीं लगता है। रिपोर्ट में कहा गया है लंबे समय से पड़ोसी देशों के अमीर रूसियों, भारतीयों और अरबों के लिए एक शरणस्थल रहा दुबई अब मुगल प्रवासियों के एक नए समूह को आकर्षित कर रहा है।फ्रांस में कट्टर-दक्षिणपंथी सरकार के सत्ता में आने की खबरों के बाद फ्रांस के अमीर दुबई में बसने के लिए ब्रोकर और एजेंटों को कॉल कर रहे हैं। 2024 के पहले तीन महीनों में दुबई में भारतीयों के साथ-साथ फ्रांसीसी और इटालियंस घर खरीदने में सबसे ज्यादा उत्साहित थे।

कहा जा रहा है कि फरवरी माह में यूरोपीय लोगों ने दुबई ने अपनी ओर एकाएक खींच लिया जब यहां एक अंतर-सरकारी निकाय, वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफ.ए.टी.एफ.) ने मनी-लॉन्ड्रिंग और अन्य वित्तीय शरारती लोगों द्वारा पसंद किए जाने वाले संदिग्ध स्थानों की अपनी ग्रे सूची से हटा दिया। दुबई को यूरोपियन अमीरों द्वारा तरजीह देने का एक और कारण यह है कि गाजा पट्टी पर चल रहे संघर्ष के बीच अब इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच लड़ाई तेज हो गई है।

देश पर कर्ज ज्यादा, लेकिन स्थिरता की समस्या नहीं: पूनम गुप्ता

नई दिल्ली (ईएमएस)। एनसीएईआर की महानिदेशक पूनम गुप्ता ने कहा कि भारत का सार्वजनिक ऋण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 82 प्रतिशत है, लेकिन उच्च वृद्धि दर तथा भारतीय मुद्रा में ऋण अधिक होने से देश को ऋण स्थिरता की समस्या नहीं झेलना पड़ रहा है। एनसीएईआर द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में गुप्ता ने कहा कि भारत का उच्च ऋण स्तर फिलहाल सतत है, क्योंकि वास्तविक या नाममात्र जीडीपी अधिक है और अधिकतर कर्ज रुपये में है। कुल ऋण में से एक तिहाई राज्यों के पास है। सामान्य स्थिति में अगले पांच वर्षों में उनके ऋण स्तर में और वृद्धि ही होगी। उन्होंने कहा ?कि पंजाब और हिमाचल प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में ऋण-जीडीपी अनुपात 50 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। गुप्ता ने कहा कि सबसे अधिक कर्जदार राज्यों सहित अन्य राज्यों को भी स्थिरता की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है, क्योंकि उनके पास केंद्र की अंतर्निहित गारंटी होती है और राज्य विदेशी मुद्रा या फ्लोटिंग दर पर ऋण नहीं रख सकते हैं। राज्यों की राजकोषीय चुनौतियां विषय पर आयोजित चर्चा में हिस्सा लेते हुए तक्षशिला संस्थान के पार्षद एम. गोविंद राव ने राज्यों पर बढ़ते कर्ज का एक कारण चुनाव में फायदे के लिए सब्सिडी बढ़ाने को भी बताया। वित्त वर्ष 2022-23 तक पंजाब, हिमाचल प्रदेश तथा बिहार शीर्ष तीन सबसे अधिक ऋणी राज्य थे जबकि सबसे कम कर्ज ओडिशा, महाराष्ट्र और गुजरात राज्य पर था।

नेपाल में प्रधानमंत्री प्रचंड नहीं छोड़ना चाहते पद, विश्वास मत का करना चाहते हैं सामना

काठमांडू,(ईएमएस)। भारत के पड़ोसी देश नेपाल में एक बार फिर राजनीतिक अस्थिरता का सामना कर रहा है। नेपाल के पीएम पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है। नेपाल के सबसे बड़े दो दलों नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल के नया गठबंधन बनाने के बाद प्रचंड सरकार अल्पमत में आ गई है। इसके बावजूद प्रचंड प्रधानमंत्री पद छोड़ने को तैयार नही हैं। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के सचिव गणेश शाह ने बताया कि पार्टी पदाधिकारियों की पीएमओ में हुई बैठक में प्रचंड ने कहा कि वह पद से इस्तीफा देने के बजाय संसद में विश्वास मत का सामना करना पसंद करेंगे। प्रचंड ने अपने डेढ़ साल के कार्यकाल में संसद में तीन बार विश्वास मत हासिल किया है।

नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल ने नई राष्ट्रीय सर्वसम्मति सरकार बनाने के लिए एक समझौता किया है। नेपाल के प्रतिनिधि सदन में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस के पास 89 सीटें हैं जबकि सीपीएन-यूएमएल के पास 78 सीटें हैं। दोनों दलों को मिलाकर संख्या 167 है जो 275 सदस्यीय सदन में बहुमत के लिए 138 सीटों के आंकड़े के लिए पर्याप्त है।

नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष और पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली ने नई गठबंधन सरकार बनाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए। देउबा और ओली संसद के बचे हुए कार्यकाल के लिए बारी-बारी से पीएम बनने पर सहमत हो गए हैं। सूत्रों ने बताया कि मौजूदा गठबंधन को बचाने के लिए पीएम प्रचंड और सीपीएन-यूएमएल प्रमुख ओली के बीच बातचीत विफल हो गई है।

म्यांमार में सेना और विद्रोहियों के बीच फिर जंग.....भारत मिजोरम को लेकर चिंतित

रंगून (ईएमएस)। म्यांमार में सेना और विद्रोहियों के बीच जारी जंग फिर से भारत की सीमा के पास पहुंच गई है। जिससे इसकी आशंका बढ़ गई है कि इसका असर भारतीय राज्य मिजोरम तक पहुंच सकता है। म्यांमार के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर चुके व्रिदोहियों ने सरकारी सेना को अन्य हिस्सों से भी उखाड़ फेंकने के लिए नया सैन्य अभियान शुरू किया है।

रिपोर्ट के अनुसार वहीं विद्रोहियों के दो गुटों के बीच में आपस में भी लड़ाई शुरू हो गई है। इससे हालात और ज्यादा खराब हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय सेना ने चिन राज्य में चल रही गतिविधियों को लेकर पूरी सतर्कता बरत रखी है और हालात पर नजर बनाए हुए है। म्यांमार का चिन राज्य देश के सबसे गरीब इलाके में आता है। चिन राज्य और मिजोरम राज्य के बीच में 510 किमी लंबी खुली सीमा है जहां कोई बाड़ नहीं लगी है। एक भारतीय सैन्य अधिकारी ने बताया कि ताजा लड़ाई सेना और विद्रोहियों के बीच में बांग्लादेश की सीमा के करीब हुई है, लेकिन हम इस विद्रोह को हल्के में नहीं ले सकते हैं। एक दूसरे सूत्र ने कहा कि चिन राज्य में हालात बहुत तेजी से बदल रहे हैं। उन्होंने बताया कि जुंटा सेना ने एक नदी पुल को उड़ाया था जिससे मिजोरम और म्यांमार के बीच व्यापार जून से बंद है। विद्रोहियों के कई इलाकों मे आगे बढ़ने के बाद चिन राज्य में सुरक्षा के हालात बहुत खराब हैं। पीपुल्स डिफेंस फोर्स ने दावा किया है कि उसने जुंटा सेना के एयर डिफेंस बटालियन और 8 अन्य सैन्य अड्डों को मांडले में जब्त कर लिया है। म्यांमार की निर्वासित सरकार ने बताया कि ताजा लड़ाई पूर्वी शान राज्य में भी शुरू हो गई है जहां सरकारी सेना ने चीन के कराए सीजफायर का उल्लंघन किया था। बता दें कि भारतीय विदेश मंत्री म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध पर गहरी चिंता जाहिर की है। भारत ने मदद का ऑफर भी दिया है।

दिल खोलकर खर्च कर रहे लोग.....हम नहीं आरबीआई कह रहा

मुंबई (ईएमएस)। इनदिनों लोग देश में खुल कर खर्च कर रहे हैं। तभी बीते तीन साल में क्रेडिट कार्ड का खर्च तीन गुना बढ़कर 18 लाख रुपये से भी ऊपर चला गया है।देश में क्रेडिट कार्ड का उपयोग कितनी तेजी से बढ़ रहा है, इसका अंदाजा रिजर्व बैंक के आंकड़ों से लगाता है। आंकड़ों के मुताबिक पिछले तीन वर्षों के दौरान क्रेडिट कार्ड ट्रांजेक्शन तीन गुना बढ़ा है। यह मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान 18.31 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह तीन साल पहले, मार्च 2021 में, 6.30 लाख करोड़ रुपये था। उल्लेखनीय है कि भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड से उत्पन्न समस्याओं से बाहर आ गई है। इस समय उपभोक्ताओं के विश्वास में लगातार वृद्धि हो रही है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के दौरान क्रेडिट कार्ड लेनदेन का मूल्य 6.30 लाख करोड़ रुपये था। यह मार्च 2022 में बढ़कर 9.71 लाख करोड़ रुपये और मार्च 2023 तक 14.32 लाख करोड़ रुपये हो गया। अब यह 18 लाख करोड़ रुपये के पार चला गया है। वर्तमान में कार्ड यूजर्स का मासिक खर्च 1.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक है।

आरबीआई के आंकड़ों से साफ होता है कि बैंकों द्वारा जारी किए गए क्रेडिट कार्ड की संख्या भी मार्च 2024 तक तेजी से बढ़कर 10.18 करोड़ हो गई है। एक साल पहले यानी मार्च 2023 में यह संख्या 8.53 करोड़ और मार्च 2022 में 7.36 करोड़ और मार्च 2021 में 6.20 करोड़ थी। जिस तरह से लोग क्रेडिट कार्ड से खर्च खूब कर रहे हैं, उसी तरह उनका बकाया भी बढ़ रहा है। मई 2024 तक क्रेडिट कार्ड का बकाया 2,67,979 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि 2022 में यह 1,61,512 करोड़ रुपये था।

देश के बैंकिंग सेक्टर में सबसे आगे स्टेट बैंक है। लेकिन क्रेडिट कार्ड सेगमेंट में निजी बैंकों का दबदबा है। एचडीएफसी बैंक 2.11 करोड़ क्रेडिट कार्ड के साथ शीर्ष कार्ड जारीकर्ता है। भारतीय स्टेट बैंक का नंबर इसके बाद ही है। इस बैंक ने अब तक 1.91 करोड़ कार्ड जारी किए हैं। इसके बाद आईसीआईसीआई बैंक 1.7 करोड़ कार्ड और एक्सिस बैंक के 1.43 करोड़ कार्ड हैं। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, एचडीएफसी बैंक ने मई 2024 के महीने में 16,251 करोड़ रुपये के पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) ट्रांजेक्शन और 25,155 करोड़ रुपये के ई-कॉमर्स कार्ड यूज की सूचना दी है।

न्यूयॉर्क में 'भारत दिवस के मौके पर प्रदर्शित होगी राम मंदिर की प्रतिकृति

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। न्यूयॉर्क में 'भारत दिवस के मौके पर 18 अगस्त को होने वाली परेड में राम मंदिर की प्रतिकृति प्रदर्शित की जाएगी। आयोजन में न्यूयॉर्क और उसके आसपास से हजारों भारतीय अमेरिकी शामिल होने वाले हैं। विश्व हिन्दू परिषद अमेरिका (विहिप) के महासचिव अमिताभ मित्तल ने बताया कि मंदिर की प्रतिकृति 18 फुट लंबी, नौ फुट चौड़ी और आठ फुट ऊंची होगी। यह पहली बार होगा जब राम मंदिर की प्रतिकृति अमेरिका में प्रदर्शित की जाएगी।

न्यूयॉर्क में हर वर्ष 'भारत दिवस' पर होने वाली यह परेड भारत के बाहर स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर सबसे बड़ा आयोजन है। यह परेड हर साल मिडटाउन न्यूयॉर्क में 'ईस्ट 38 स्ट्रीट' से 'ईस्ट 27 स्ट्रीट' तक निकाली जाती है जिसे 1,50,000 से अधिक लोग देखने आते हैं। 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन' (एफआईए) द्वारा आयोजित परेड में विभिन्न भारतीय अमेरिकी समुदायों और उनकी संस्कृति की विविधता का प्रतिनिधित्व करने वाली ढेर सारी झांकियां न्यूयॉर्क की सड़कों पर देखने को मिलेंगी।

पीएम नेतन्याहू का बड़ा दावा, हमास के अंत के करीब पहुंची सेना

तेलअवीव (ईएमएस)। इजरायल और हमास के बीच संघर्ष जारी है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बड़ा दावा किया है। पीएम नेतन्याहू कहा कि आईडीएफ हमास की सैन्य शाखा को पूरी तरह खत्म करने के करीब है। वहीं अमेरिका के ऐसा नहीं चाहता है। क्योंकि अमेरिका ने चेतावनी देकर कहा कि हमास के खत्म होने से एक वैक्यूम बन जाएगा, जो क्षेत्र में अस्थिरता पैदा कर देगा। नेतन्याहू ने यह बात तब कही जब राफा में लड़ाई खत्म होती दिख रही थी। गाजा में रखे गए बाकी बंधकों की रिहाई तक बातचीत आगे नहीं बढ़ी है।

नेतन्याहू के बयान के जवाब में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा, हमने इजरायलियों को गाजा में अपने अभियानों में एक महत्वपूर्ण गिरावट के बारे में बात करते सुना है। यह देखने वाली बात होगी। उन्होंने कहा, यह संघर्ष समाप्त हो जाएगा, लेकिन गाजा में वैक्यूम को खत्म नहीं कर सकेगा और न ही यहां वैक्यूम होना चाहिए।

उन्होंने कहा, अमेरिका ने इजरायल को बता दिया है कि संघर्ष के बाद के प्लान की जरूरत है। जिसमें गाजा के शासन, इसकी स्पष्ट सुरक्षा, फिलिस्तीनियों के जीवन के निर्माण में मदद शामिल हो। लेकिन अभी तक हमने ऐसा कुछ होते नहीं देखा है। हालांकि हमास ने साफ कर दिया है कि बंधकों की रिहाई तब तक नहीं हो सकती जब तक कि इजरायल पूरी तरह से युद्ध को खत्म न कर दे।

तुर्की में सीरिया विरोधी दंगे, 474 लोगों को हिरासत में लिया

अंकारा (ईएमएस)। तुर्की के गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि दो दिन पहले पूरे देश में सीरियाई शरणार्थियों के खिलाफ भड़काऊ विरोध प्रदर्शन के लिए 474 और संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार गृह मंत्री अली येरलिकाया ने कहा कि 30 जून को तुर्की के मध्य कायसेरी प्रांत में एक सीरियाई व्यक्ति ने एक सीरियाई लड़की के साथ छेड़छाड़ की। इसके बाद सोमवार रात देश भर के कुछ शहरों में सीरियाई लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

ईवी को समर्थन देने वाली नीति 8-10 साल तक रहे जारी: मर्सडिज-बेंज

जयपुर (ईएमएस)। मर्सडिज-बेंज इंडिया चाहती है कि सरकार अगले 8 से 10 साल के लिए इलैक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का समर्थन करने वाली नीतियों को जारी रखने को प्रतिबद्ध हो। कंपनी के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि शून्य उत्सर्जन वाले वाहनों की दिशा में स्थिर और बेहतर योजना बनाने के लिए ऐसा करना जरूरी है। कंपनी को लगता है कि इलेक्ट्रिक वाहनों को दिए जाने वाले प्रोत्साहन को हाइब्रिड वाहनों के लिए देने से उत्सर्जन मुक्त वाहनों को अपनाने की समयसीमा बढ़ जाएगी। कंपनी का ईवी प्रसार 2024 की पहली तिमाही में 2.5 प्रतिशत से बढ़कर 6 प्रतिशत हो गया। मर्सडिज-बेंज ने कहा कि इस साल पेश होने वाले 3 नए ईवी मॉडल के साथ यह गति आगे भी जारी रहेगी, जिसकी शुरुआत अगले सप्ताह ईक्यूए से होगी। उन्होंने कहा कि इलैक्ट्रिक वाहनों के लिए सरकार ने पहले ही पांच प्रतिशत जीएसटी कर दिया है, जबकि परंपरागत पेट्रोल-डीजल इंजन पर 48-50 प्रतिशत जीएसटी है।

पेट्रोल-डीजल यूपी-बिहार सहित कई राज्यों में हुआ महंगा

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। तेल कंपनियों ने ?बुधवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। जिसके मुताबिक कई राज्यों में पेट्रोल डीजल की कीमतें घट गई हैं तो वहीं देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा भी हो गया है। इसके अलावा कई ऐसे राज्य हैं जहां पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वहीं अगर राज्य स्तर पर बात करें तो बुधवार को बिहार और यूपी सहित कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। बिहार में पेट्रोल 50 पैसे बढ़कर 107.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल 47 पैसे बढ़कर 94.02 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। यूपी में पेट्रोल 5 पैसे बढ़कर 94.57 रुपये प्रति लीटर और डीजल 5 पैसे बढ़कर 87.64 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

वहीं महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 19 पैसे घटकर 104.53 रुपये प्रति लीटर और डीजल 18 पैसे घटकर 91.06 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.98 रुपये और डीजल 92.56 रुपये प्रति लीटर है।

पाकिस्तान में नासूर बना आंतक,380 मौतें

लौहार (ईएमएस)। पाकिस्तान में 240 आतंकी घटनाओं और आतंकवाद विरोधी अभियानों के परिणामस्वरूप हिंसा से जुड़ी 380 मौतें और नागरिकों, सुरक्षा कर्मियों और अपराधियों के बीच 220 चोटें दर्ज की गईं। एक रिपोर्ट के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत हिंसा के केंद्र थे, इस दौरान लगभग 92 प्रतिशत मौतें और 87 प्रतिशत हमले (आतंकवाद और संचालन की घटनाओं सहित) हुए। रिपोर्ट में बताया गया कि पूरे पाकिस्तान में हिंसा और हताहतों की दर में उल्लेखनीय कमी देखी गई और देश में समग्र हिंसा में 12 प्रतिशत की कमी देखी गई, जिसमें पहली तिमाही में 432 की तुलना में 380 मौतें दर्ज की गईं।

सबसे उल्लेखनीय सुधार बलूचिस्तान में देखा गया, जहां हिंसा में 46 प्रतिशत की कमी आई, इस वर्ष की पहली तिमाही में मृत्यु दर 178 से घटकर दूसरी तिमाही में 96 रही। हालाँकि, पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में पिछली तिमाही की तुलना में क्रमशः 13 और 31 मौतों की वृद्धि के साथ हिंसा में वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि नागरिकों, सरकारी अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों को कुल मौतों में से 62 प्रतिशत का नुकसान हुआ, जो डाकूओं के बीच 38 प्रतिशत की घातक क्षति से काफी अधिक है। सांप्रदायिक हिंसा के कारण करीब 11 लोगों की जान चली गई।

'बेरिल' तूफान ने किया जमैका का रुख, अब तक छह लोगों की मौत

जमैका,(ईएमएस)। दक्षिण-पूर्वी कैरेबियाई द्वीप समूह में तबाही मचाने के बाद तूफान 'बेरिल' अब जमैका की ओर बढ़ गया है। इसके कारण कम से कम छह लोगों की मौत हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जमैका, ग्रांड केमैन, लिटल केमैन और केमैन ब्राक में तूफान की चेतावनी दी है। बेरिल की तीव्रता कम हो रही है लेकिन पूर्वानुमान है कि जब यह तूफान गुरुवार को केमैन द्वीप के पास और शुक्रवार को मेक्सिको के युकाटन प्रायद्वीप के पास से गुजरेगा तब भी यह शक्तिशाली हो जाएगा।

विगत दिवस बेरिल मजबूत हो गया था जिसके कारण 270 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। इसके बाद यह तूफान के रूप में कमजोर हो गया लेकिन अब भी ताकतवर है। मंगलवार रात को तूफान जमैका के किंगस्टन से करीब 480 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में था। बेरिल से जमैका में खतरनाक गति से हवा चलने और समुद्र में ऊंची लहरें उठने की आशंका है और अधिकारियों संवेदनशील इलाकों में रह रहे लोगों को मकान खाली करने को कहा है।

जमैका के पीएम एंड्रयू होलनेस ने कहा कि सभी जमैका वासी तूफान को गंभीर खतरे के रूप में लें। घबराने की बात नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि तूफान के कारण ग्रेनाडा और कैरियाकोउ में तीन लोगों की मौत हुई है। उत्तरी वेनेजुएला में दो और लोगों के मारे जाने की सूचना है वहीं पांच लोगों के लापता होने की खबर हैं। ग्रेनाडा में एक मकान पर पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।

देश की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 25 की दूसरी छमाही में भी मजबूत रहेगी: नोमुरा

नई दिल्ली (ईएमएस)। मजबूत आर्थिक विकास दर और महंगाई कम रहने के कारण व्यापक स्तर पर भारतीय अर्थव्यवस्था की जड़ें वित्त वर्ष 25 की दूसरी छमाही में मजबूत रहेंगी। यह बात ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म नोमुरा की ओर से कही गई। नोमुरा ने कहा कि भारत में रिटेल महंगाई दर वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में 4.8 प्रतिशत पर आ गई है, जो कि वित्त वर्ष 24 के अंत में 5.7 प्रतिशत थी। ला नीना, चावल के पर्याप्त भंडार और दालों का उत्पादन बढ़ने के कारण खाद्य पदार्थों की महंगाई दर में भी कमी देखने को मिल सकती है। नोमुरा के ?विशेषज्ञ ने आने वाले बजट को लेकर कहा है कि इसमें फोकस पूंजीगत व्यय और राजकोषीय समेकन पर हो सकता है। ब्रोकरेज का फोकस मैन्युफैक्चरिंग और खपत से जुड़ी निवेश थीम्स पर है। नोमुरा ने कहा कि बजट सरकार की दिशा को दिखाएगा। इसमें पहले के मुकाबले कोई ज्यादा बदलाव नहीं देखने को मिलेगा। बता दें कि केंद्र में नई सरकार के बनने के बाद पूर्ण बजट इसी महीने पेश किया जाना है। मौजूदा समय में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ रही है।

वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की जीडीपी की विकास दर 8.2 प्रतिशत थी, जो कि चालू वित्त वर्ष में 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। नोमुरा का कहना है कि भारत में सुधार राजनीति की कसौटी पर खरे उतरे हैं। हमारा मानना है कि सरकार सुधारों की गति जारी रकेगी। जमीन और श्रम से जुड़े कठिन सुधार को राज्यों पर छोड़ दिया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव काफी मजबूत है। देश की वृद्धि दर तेज बनी हुई है। महंगाई कम हो रही है और साथ ही चालू खाते की स्थिति भी उत्साह पैदा करने वाली है।

जापान ने दो दशक में पहली बार नए बैंक नोट जारी किए

तोक्यो (ईएमएस)। जापान ने दो दशक में पहली बार बुधवार को नए बैंक नोट जारी कर ?दिए हैं। इनमें जालसाजी से निपटने के लिए 3-डी होलोग्राम प्रौद्योगिकी का उपयोग किया गया है। प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा ने 10,000 येन, 5,000 येन और 1,000 येन के नए नोट की अत्याधुनिक जालसाजी-रोधी विशेषताओं की प्रशंसा करते हुए इसे ऐतिहासिक करार दिया। बैंक ऑफ जापान में उन्होंने पत्रकारों से कहा ?कि मुझे उम्मीद है कि लोगों को नए नोट पसंद आएंगे और वे जापानी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक होंगे। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार नए नोट के साथ पहले से चलन में मुद्रा भी वैध रहेगी। बैंक ऑफ जापान के गवर्नर काजुओ उएदा ने कहा ?कि हालांकि दुनिया नकदी रहित लेन-देन की ओर बढ़ रही है, लेकिन हमारा मानना है कि कहीं भी तथा कभी भी सुरक्षित भुगतान के लिए नकदी अब भी महत्वपूर्ण है।

अमेरिका में नजर आया यूएफओ, जो उड़ नहीं सड़क पर दौड़ रहा था

-लोग हैरान, पुलिस ने यूएफओ वीडियो वायरल कर किया खुलासा

सैन फ्रांसिस्को,(ईएमएस)। एलियंस होते हैं या नहीं, इसे लेकर सालों से बहस छिड़ी हुई है। लेकिन आजतक कोई सबूत नहीं मिला और न ही किसी आधिकारिक रुप से एलियंस होने या न होने की पुष्टि की गई है। वहीं सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो वायरल होते हैं, जिसमें एलियंस होने का दावा किया जाता है। अमेरिका में एलियंस के दिखने या यूएफओ स्पॉट की खबरें अक्सर सामने आती रहती हैं।

एक बार फिर एक ऐसी ही घटना सामने आई है। अमेरिका के मिसौरी में एक घटना घटी उसने वहां मौजूद लोगों को हैरान में डाल दिया। यहां सड़क पर एक यूएफओ जैसी चीज़ दौड़ती हुई दिखाई दी। सड़क पर यूएफओ उड़ नहीं रहा बल्कि दौड़ रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ये अजीबोगरीब नज़ारा अमेरिकन राज्य मिसौरी की क्रॉफोर्ड काउंटी में हुई, जिसे पुलिस अधिकारियों ने सार्वजनिक किया है। यहां रोज़वेल फेस्टिवल के लिए जा रहे लोगों के बीच कार की जगह एक ऐसा वाहन दिखा, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। ये यूएफओ की तरह था और उसके खुलने के लिए ऊपर की ओर ढक्कन भी था। पुलिस ने इसकी स्पीड की वजह से इसे रास्ते में ही रोक लिया, फिर यूएफओ जैसे इस वाहन से ड्राइवर के तौर पर एक इंसान निकला।

पुलिस को ये समझते देर नहीं लगी कि ये ड्राइवर की क्रिएटिविटी है, जिसने कार को ही एक उड़न तश्तरी का लुक दे दिया है. फेसबुक पर ये घटना शेयर करते हुए पुलिस ने लिखा-'आप नहीं जान सकते हैं कि आपको क्रॉफोर्ड काउंटी में क्या मिल जाएगा। ये वास्तव में इस दुनिया से अलग की चीज़ है। उन्होंने कहा कि ये बेहद अजीब था लेकिन लोगों के चेहरे पर मुस्कुराहट दे गया। लोगों ने इस पोस्ट पर दिलचस्प रिएक्शन दिए और शख्स की खूब तारीफ की जिसने इस तरह की क्रिएटिविटी की है।

बाइडन की तुलना में हैरिस जीत सकती है अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव!

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस यदि राष्ट्रपति पद के चुनाव में खड़ी होती हैं तो राष्ट्रपति जो बाइडन की तुलना में उनके जीतने की संभावना ज्यादा है। एक सर्वेक्षण में कहा गया है। बाइडन देश के अगले राष्ट्रपति के रूप में रेटिंग पिछले सप्ताह अटलांटा में डोनाल्ड ट्रंप साथ हुई बहस में उनके निराशाजनक प्रदर्शन के बाद गिर गई है। पहली बहस के बाद से अब सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी मांग कर रही है कि बाइडन को पीछे हट जाना चाहिए और राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए पार्टी की ओर से किसी अन्य उम्मीदवार को मौका देना चाहिए।

एक मीडिया सर्वेक्षण के मुताबिक ट्रंप लोकप्रियता के मामले में बाइडन से छह अंक आगे हैं। सर्वेक्षण में हैरिस और ट्रंप के बीच काल्पनिक मुकाबले को लेकर भी सर्वेक्षण कराया गया जिसमें 47 फीसदी पंजीकृत मतदाता ट्रंप का समर्थन करते हैं जबकि 45 फीसदी हैरिस के समर्थक हैं यानी उनके आमने-सामने होने की स्थिति में मुकाबला नजदीकी का है। इस बीच, बाइडन ने बहस में अपने निराशाजनक प्रदर्शन के लिए अपने हालिया विदेशी दौरों के कारण हुई थकान को जिम्मेदार ठहराया है।

अमेरिका और ब्रिटेन में फिर से कोरोना की आहट....मास्क पहनना अनिवार्य

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमरीका और ब्रिटेन में कोविड की एक और लहर की संभावना है क्योंकि दोनों ही देशों से संक्रमण की सूचनाएं आ रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन की आबादी के एक कमजोर वर्ग को मास्क पहनने के निर्देश और टीकाकरण में भी तेजी लाई गई है। वहीं दूसरी ओर अमरीका में अटलांटिक के पार मामलों में वृद्धि पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, क्योंकि रोग नियंत्रण केंद्र (सी.डी.सी.) नए कोविड-19 वेरिएंट की निगरानी कर रहा है जिसे एल.बी.1 के रूप में नामित किया गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले दो वर्षों से वायरस प्रकोप पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया है।

(यू.के.एच.एस.ए.) के अनुसार 26 जून को लगभग हर 25,000 ब्रिटिश नागरिकों में से एक कोविड-19 से संक्रमित था। मार्च 2020 में यह 13 में से एक था। रिपोर्ट के अनुसार संक्रमण में वृद्धि सांख्यिकीय रूप से मार्च 2020 की तुलना में बहुत कम है, जब पहली बार यू.के. में महामारी की सूचना दी गई थी। दो नए सब-वेरिएंट केपी.2 और केपी.1 को फ्लर्ट नाम दिया गया है। फ्लर्ट ओमिक्रॉन के सब-वेरिएंट्स का एक ग्रुप है और ये दोनों इस ग्रुप के अंदर ही आते हैं। केपी.1 और केपी.2 को फ्लर्ट उपनाम वैज्ञानिकों ने उनके म्यूटेशन के तकनीकी नाम के आधार पर दिया है। मार्च में, इन वेरिएंट की अमरीकी आबादी में केवल पांच प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

ब्रिटिश महामारी विज्ञान विशेषज्ञ पॉल हंटर के हवाले से कहा गया है कि उन्हें नहीं लगता कि वर्तमान कोविड-19 संक्रमण दर चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इस साल हम शायद उतना ही संक्रमण देख रहे हैं जितना पिछले साल देख रहे थे। उनका मानना है कि आम तौर पर हम पिछले साल की तुलना में कोविड से बहुत कम मौतें और बहुत कम अस्पताल में भर्ती मरीज देख रहे हैं।

अमरीका और ब्रिटेन के स्वास्थ्य केंद्रों में मास्क अनिवार्य हो रहे हैं। वहीं अमरीका में स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसकारण चिंतित हैं क्योंकि अमरीकी सरकार पहले ही बर्ड फ्लू वायरस से परेशान हैं।

कमिश्नर को बचाने के लिए यह सब हो रहा है...गुजरात हाईकोर्ट ने वडोदरा नाव हादसे पर ठुकराई सरकार की रिपोर्ट

अहमदाबाद,03 जुलाई : राजकोट अग्निकांड की जांच पर घिरी गुजरात सरकार को वडोदरा हरनी कांड पर हाईकोर्ट ने फटकार लगाई है। राज्य सरकार की तरफ से कोर्ट में पेश की गई रिपोर्ट को अदालत ने ठुकरा दिया। हाईकोर्ट के रवैए को देखते हुए राज्य सरकार के एडवोकेट जनरल ने तुरंत रिपोर्ट वापस ले ली। इसी साल की शुरुआत में 18 जनवरी को वडोदरा के हरनी झील में नाव पलट गई थी। इसमें 12 बच्चों के साथ दो शिक्षकों की मौत हुई थी। इस मुद्दे पर सुनवाई के दौरान जब हाईकोर्ट में राज्य सरकार की तरफ से रिपोर्ट रखी गई तो हाईकोर्ट ने पूछा कि एक स्टोरी की तरह रिपोर्ट तैयार की गई है।

गुजरात सरकार को वडोदरा के नाव हादसे पर बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की तरफ से तैयार की गई रिपोर्ट को खारिज कर दिया। कोर्ट ने उसे ठुकराते हुए कहा कि क्या प्रिंसिपल सेक्रेटरी यह कहना चाहते है कि कुछ ग़लत नहीं हुआ?

राजकोट की तरह गुजरात हाईकोर्ट ने हरनी नाव हादसे की घटना पर स्वत: संज्ञान लिया था। इसके बाद से हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। हाईकोर्ट ने रिपोर्ट को देखकर कहा कि कहानी जैसी लिख दी गई है। हाईकोर्ट ने कठोर टिप्पणी करते हुए कहा कि जांच कमिटी की रिपोर्ट ठीक नहीं है। कोर्ट ने पूछा कि प्रिंसिपल सेक्रेटरी यह कहना चाहते है कि कुछ ग़लत नहीं हुआ? अगर ऐसा है तो फिर पूरे सिस्टम में ही फॉल्ट है। हाईकोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि क्या कमिश्नर को बचाने के लिए यह सब हो रहा है? वडोदरा में नाव पलटने की घटना के बाद राज्य सरकार की तरफ से कड़ी कार्रवाई की बात कही गई थी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने तब दौरा भी किया था।

सोने के पट्टे वाली घड़ियां...ज्वेलरी और बिस्किट

राजकोट के निलंबित TPO के ऑफिस में मिला 15 करोड़ का सोना

अहमदाबाद: गुजरात एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) को टीआरपी गेम जोन अग्निकांड में बर्खास्त टीपीओ मनसुख सागठिया (टीपीओ) के यहां से बड़े पैमाने पर सोना मिला है। एसीबी की टीम जब सागठिया के ट्विन स्टार टॉवर स्थित हाईटेक ऑफिस में दाखिल हुई तो उसकी आंखें फटी की फटी रह गई है। इस ऑफिस में एसीबी को तीन करोड़ रुपये नकदी के साथ 15 करोड़ रुपये की कीमत का सोना मिला। राजकोट में टीआरपी गेम जोन हादसे में सागठिया को सरकार ने सस्पेंड कर दिया था।

एसीबी के अनुसार इस छापेमारी में कुल 18 करोड़ की संपत्ति मिली है। राजकोट अग्निकांड में 27 लोग मारे गए थे। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों के अनुसार मनसुख सागठिया के दफ्तर में 15 करोड़ रुपये का सोना मिला है। इनमें सोने में आभूषण, बिस्किट, सोने के बेल्ट वाली दो घड़ियां भी शामिल हैं। गुजरात एंटी करप्शन ब्रांच ने राजकोट अग्निकांड हादसे में बर्खास्त किए गए टीपीओ के ऑफिस से 18 करोड़ की संपत्ति बरामद की है। इसमें 15 करोड़ के मूल्य का सोना है। इसमें ज्वैलरी, सोने के बिस्किट और सोने के पट्टे वाली घड़ियां भी शामिल है। बर्खास्त टीपीओ ने यहां खजाना एक हाईटेक ऑफिस में छिपाया हुआ था।

एसीबी ने सागठिया के दफ्तर से डॉलर सहित विदेशी मुद्रा भी जब्त की है। जांच एजेंसी को छापेमारी में तीन करोड़ रुपये की नकदी मिली है। एसीबी की जांच में सामने आया है कि सागठिया सोने के बिस्किट लेता था। ज्वैलरी और बिस्किट का कुल वजन 22 किलो है। सागठिया ने इस कालेधन को राजकोट की 150 फीट रिंग रोड स्थित भाई के निजी दफ्तर छिपाया था। मनसुख सागठिया भी इस कार्यालय में भागीदार है। सागठिया के इस ऑफिस को पहले राजकोट क्राइम ब्रांच ने सील किया था। एसीबी की टीम ने सील खोलकर सोमवार रात 11 बजे से मंगलवार सुबह 9 बजे तक जांच की।

गर्मी की छुट्टियों में राज्य के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर 1.35 करोड़ से अधिक पर्यटक आए

गांधीनगर 03 जुलाई : देश-विदेश के सैलानियों में गुजरात के पर्यटन क्षेत्रों के प्रति अनूठा आकर्षण है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात के पर्यटन क्षेत्र को विश्व स्तर पर ले जाने तथा पर्यटकों के अनुभव को अभूतपूर्व बनाने के लिए विभिन्न ढाँचागत सुविधाएँ विकसित की गई हैं। फलस्वरूप उत्तरोत्तर बड़ी संख्या में पर्यटक राज्य के अनूठे सौंदर्य एवं विविधता का आनंद उठाने के लिए पहुँच रहे हैं। इस वर्ष गर्मी की छुट्टियों (समर वैकेशन) के दौरान यानी 1 अप्रैल से 10 जून, 2024 तक राज्य के 12 पर्यटन आकर्षणों एवं यात्राधामों पर 1.35 करोड़ से अधिक पर्यटक आए। वर्ष 2023 में अप्रैल तथा मई महीनों में 1.14 करोड़ पर्यटक इन स्थलों पर पहुँचे थे, जिसकी तुलना में इस वर्ष पर्यटकों की संख्या में 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है।

इस समयावधि में गुजरात के स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (एसओयू), अटल ब्रिज, रिवरफ्रंट-फ्लॉवर पार्क, कांकरिया तालाब, सोमनाथ मंदिर, पावागढ़ मंदिर, द्वारका मंदिर, साइंस सिटी-अहमदाबाद, वडनगर, गीर तथा देवलिया सफारी एवं अहमदाबाद मेट्रो रेल जैसे प्रसिद्ध आकर्षक पर्यटन स्थलों का आनंद उठाने के लिए लोग बड़ी संख्या में पहुँचे।

'खुशबू गुजरात की' का लुत्फ उठाने आने वाले पर्यटकों में हेरिटेज सिटी अहमदाबाद सबसे पसंदीदा स्थल बना है। वर्ष 2023-24 में पर्यटकों की संख्या के मामले में अहमदाबाद सबसे पसंदीदा स्थल और जिला रहा है। पर्यटन सुविधाएँ विकसित करने के लिए बजट में 2077 करोड़ रुपए का आवंटन राज्य में पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए तथा सम्बद्ध गतिविधियों को गति देकर, रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए राज्य सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। गुजरात आने वाले पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए वर्ष 2024-25 में पर्यटन प्रभाग को 2077 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जिससे आकर्षक पर्यटन स्थलों, धार्मिक, सांस्कृतिक व एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशन्स और इको टूरिज्म का विकास किया जाएगा।

हाल ही में भारत की मेजबानी में आयोजित हुई जी-20 बैठकों का एक दौर गुजरात में भी हुआ था। राज्य सरकार ने कच्छ के धोरडो तथा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जैसे विश्व स्तरीय पर्यटन स्थलों पर जी-20 बैठकों का सफलतापूर्वक आयोजन कर, जी-20 देशों के प्रतिनिधियों को राज्य की समृद्ध विरासतों से परिचित कराया था। जी-20 प्रतिनिधियों ने धोळावीरा, मोढेरा स्थित सूर्य मंदिर, अहमदाबाद की ऐतिहासिक विरासत, गिफ्ट सिटी तथा दांडी कुटीर आदि आकर्षणों की मुलाकात कर उनकी सराहना की थी। प्राचीन नगरों की मुलाकात उनके लिए एक अविस्मरणीय स्मृति बनी और गुजरात की प्रक्रियाओं ने उन्हें कहा था कि ये समग्र विश्व की धरोहर हैं, जिन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए संजो कर रखना आवश्यक है।

पांच साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म, फरार आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

सूरत (ईएमएस) शहर के डिंडोली क्षेत्र में पांच साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई हैं मंगलवार की दोपहर बच्ची के पड़ौस में रहनेवाले युवक ने उसे अपनी हवस का शिकार बनाया और उसके बाद फरार हो गया बच्ची के परिजनों की शिकायत के आधार पर डिंडोली पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक सूरत के डिंडोली नवागाम फाटक के निकट श्रीनाथ नगर में रहनेवाले सुरेश उर्फ सलमान रामभाई गोस्वामी बीते दिन पड़ौस के घर में गया था जहां पांच साल की मासूम बच्ची अपने भाई के साथ दादा-दादी की उपस्थिति में खेल रही थी सुरेश ने कुछ समय तक बच्ची के दादा के साथ बातचीत कर समय बिताया बाद में बिस्कुट दिलाने के बहाने पांच साल की बच्ची को अपने साथ ले गया बच्ची को लेकर सुरेश अपने घर पर पहुंचा और उसके साथ जबर्दस्ती करने लगा जिससे बच्ची रोने लगी और उसके रोने की आवाज सुनकर निकट रहनेवाली एक महिला सुरेश के घर का दरवाजा खटखटाने लगी दरवाजा खुला तो घर के भीतर मासूम बच्ची लहूलुहान हालत में पड़ी थी उसी वक्त मौका पाकर सुरेश मौके से फरार हो गया घटना के बाद पीड़ित बच्ची को सूरत के स्मीमेर अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं स्मीमेर अस्पताल के आईसीयू में बच्ची का उपचार चल रहा हैं घटना के बाद बच्ची के परिजनों ने डिंडोली पुलिस थाने में सुरेश गोस्वामी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी

गुजरात की घटना से मेरी बात पर लगी मुहर...कांग्रेस ऑफिस पर हमले को राहुल गांधी ने बनाया मुद्दा,

अहमदाबाद (ईएमएस) मंगलवार को अहमदाबाद में गुजरात प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर हुए हमले को लेकर राहुल गांधी ने ट्वीट किया हैं जिसमें उन्होंने कहा कि ये हमला संसद में कही गई मेरी बातों को पुख्ता करता हैं दूसरी ओर अहमदाबाद में मंगलवार गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के निकट हुए पथराव के मामले में एलिसब्रिज पुलिस ने दो अलग अलग मामले दर्ज किए हैं साथ ही कांग्रेस के 5 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया हैं बता दें कि सोमवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा था कि हिन्दू हिंसक होते हैं और नफरत फैलाते हैं राहुल गांधी के इस बयान के बाद हिन्दू संगठनों में आक्रोश हैं राहुल गांधी के बयान के विरोध में अहमदाबाद, सूरत, राजकोट और गांधीनगर समेत राज्यभर में जगह जगह प्रदर्शन किए गए अहमदाबाद स्थित गुजरात प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में सोमवार की रात राहुल गांधी की तस्वीरों पर कालिख पोती गई और सुबह के वक्त पथराव भी किया गया मंगलवार की शाम करीब 4 बजे के आसपास भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच जमकर पथराव हुआ

अहमदाबाद की 147वीं जगन्नाथ रथयात्रा को शांति-सुरक्षा के साथ सफलता पूर्वक संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूर्णतः सज्ज एवं प्रतिबद्ध

.गांधीनगर 03 जुलाई, 2024 : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद में प्रति वर्ष अषाढ़ी दूज पर आयोजित होने वाली परंपरागत जगन्नाथ रथयात्रा की 147वीं कड़ी को शांति-सुरक्षा के साथ सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन की सज्जता तथा तैयारियों की बुधवार को गांधीनगर में उच्च स्तरीय बैठक में सूक्ष्मतापूर्वक समीक्षा की।

गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी, मुख्य सचिव श्री राज कुमार, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री ए. के. राकेश, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, राज्य पुलिस महानिदेशक विकास सहाय, अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त श्री जी. एस. मलिक एवं वरिष्ठ अधिकारी इस उच्च स्तरीय बैठक में उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अहमदाबाद सहित राज्य में अनेक स्थानों पर आयोजित होने वाली रथयात्राएँ जन उमंग एवं उल्लास का धर्म पर्व हैं। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि भगवान के दर्शन के लिए लोग पुराने, जर्जर भवनों, मकानों या भयजनक इमारतों का सहारा न लें; इसके लिए यह आवश्यक है कि पुलिस एवं स्थानीय निकाय प्रशासन सतर्क रहे। उन्होंने ऐसे पॉइंट पर पुलिस बंदोबस्त करके लोगों को उनके जान-माल की सुरक्षा के कारणों से वहाँ जाने से रोकने की ताकीद की।

बैठक में अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त जी. एस. मलिक ने अहमदाबाद महानगर में भक्ति-भावपूर्ण वातावरण में आयोजित होने वाली इस रथयात्रा के 16 किलोमीटर लंबे रूट पर कानून-व्यवस्था तथा रथयात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं के विषय में विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया। रथयात्रा के उमंग पर्व को शांति एवं सुरक्षापूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए शहर पुलिस प्रशासन की प्रतिबद्धता दर्शाने वाले इस प्रेजेंटेशन में श्री मलिक ने कहा कि रथयात्रा को सफल बनाने के लिए आईजी स्तर से लेकर पुलिस कर्मचारियों तक 18700 से अधिक सुरक्षा कर्मचारी डयूटी पर तैनात रहने वाले हैं। मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत इस प्रेजेंटेशन में बताया गया कि रथयात्रा में शामिल होने वाले रथों, ट्रकों, अखाड़ों, भजन मंडलियों तथा महंतों की सुरक्षा के लिए रथयात्रा के साथ मूविंग बंदोबस्त में लगभग 4500 पुलिस कर्मचारी जुड़ेंगे।

श्री मलिक ने जोड़ा कि समग्र रथयात्रा में बाधा के निवारण तथा सुचारु यातायात संचालन के लिए यातायात शाखा के संयुक्त पुलिस आयुक्त के नेतृत्व में 1931 जवान तैनात रहेंगे। इतन ही नहीं; लगभग 16 क्रेनों की व्यवस्था भी की गई है। गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी ने कहा कि रथयात्रा के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से कोई अफवाह या गुमराह करने वाले समाचार, विवरण कहीं प्रचारित-प्रसारित हों; तो उसके विरुद्ध तत्काल सत्य-यथार्थ से लोगों को अवगत कराने पर पुलिस प्रशासन विशेष ध्यान दे।

इस संदर्भ में पुलिस आयुक्त ने रथयात्रा में पर्याप्त मॉनिटरिंग प्रबंधन का उल्लेख करते हुए कहा कि लगभग 47 लोकेशन्स से 96 कैमरा, 20 ड्रोन, 1733 बॉडीवॉर्न कैमरा द्वारा लाइव मॉनिटरिंग की जाएगी। इसके अलावा; 16 किलोमीटर के समग्र रथयात्रा रूट पर निजी दुकान मालकों की सहभागिता से लगभग 1400 सीसीटीवी कैमरा से पुलिस नियंत्रण कक्ष नजर रखेगा।

यात्रा के दौरान किसी मेडिकल इमर्जेंसी या अप्रत्याशित घटना की स्थिति में चिकित्सा सेवाओं के लिए अहमदाबाद महानगर पालिका की तीन और राज्य सरकार के असारवा एवं सोला स्थित सिविल अस्पतालों मेडिकल टीमें स्टैंडबाई रखी जाएंगी। इसके अलावा; यह भी सुनिश्चित किया गया है कि पाँच अर्बन हेल्थ सेंटर में भी तत्काल उपचार उपलब्ध रहेगा। 108 एम्बुलेंस सेवा की 11 तथा मनपा की 5 एम्बुलेंस भी आवश्यकतानुसार उपलब्ध रहें। प्रेजेंटेशन में बताया गया कि इस रथयात्रा के दौरान नगरजनों की सहायता के आशय से यात्रा रूट पर लगभग 17 जन सहायता केन्द्र भी स्थापित किए जाएंगे।

इस परंपरागत रथयात्रा को साम्प्रदायिक सौहार्द का उत्सव बनाने के लिए रथयात्रा से पूर्व शहर पुलिस प्रशासन द्वारा शांति समिति की 132 बैठकें, मोहल्ला समिति की 136 बैठकें, महिला समिति की 38 बैठकें, विभिन्न धर्मगुरुओं के साथ 18 बैठकें तथा भगवान के रथों को खींचने वाले खलासी भाइयों, अखाड़ा संचालकों के साथ लगभग 25 बैठकें की गईं। इतना ही नहीं; एकता कप क्रिकेट मैच, वॉलीबॉल टूर्नामेंट, मेहंदी प्रतियोगिता, रक्तदान शिविर जैसे सामाजिक एकता की चेतना जगाने वाले आयोजन भी सफलतापूर्वक पूरे किए गए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद के अलावा राज्यभर में जिन-जिन स्थानों पर रथयात्राएँ आयोजित होंती हैं, उन सभी स्थानों पर शांति, सुरक्षा एवं सौहार्द के वातावरण बनाए रखने का विवरण राज्य पुलिस महानिदेशक श्री विकास सहाय से प्राप्त किया और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

अहमदाबाद : माइका में इस वर्ष के बैच में ४७ फीसदी छात्राएं

अहमदाबाद, ०३ जुलाई ।

माइका में इस साल प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों में गै इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि वाले ७१ फीसदी विद्यार्थी हैं। गुजरात के २७ विद्यार्थी प्रवेश पाने में सफल हुए हैं।प्रबंधन की शिक्षा में छात्रों से ज्यादा छात्राओं को प्रवेश देने के मामले में सुर्खियों में रहने वाले माइका अहमदाबाद में इस वर्ष २०२४-२६ में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों में छात्राओं की संख्या ४७ फीसदी है, जबकि छात्रों की संख्या ५३ फीसदी है। बीते साल की तुलना में इस साल छात्राओं की संख्या में छह फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। दिलचस्प बात यह है कि २०२३-२५ के गत वर्ष के बैच में यह आंकड़ा एकदम उल्टा था। उस बैच में ५३ फीसदी छात्राएं थीं और ४७ फीसदी छात्र थे। यह स्थिति तब है जब माइका की कमान एक महिला प्रमुख के हाथों में आने वाली है और डीन के पद पर भी एक महिला हैं। माइका के तीन पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम (पीजीपी)- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम), पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट-कम्युनिकेशन (पीजीडीएम-सी), क्राफ्टिंग क्रिएटिव कम्युनिकेशन (सीसीसी) प्रोग्राम में २०२४-२६ के बैच में २३५ विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इसमें ११० छात्राएं हैं और १२५ छात्र हैं। फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) कोर्स में दो छात्राओं और तीन छात्र को प्रवेश मिला है। यदि पीजीपी कोर्स की बात करें तो २०६ विद्यार्थियों में से ९० छात्राएं हैं और ११६ छात्र हैं। सीसीसी में प्रवेश पाने वाले २४ में १८ छात्राएं हैं।

सबसे ज्यादा ४६ विद्यार्थी इस साल भी महाराष्ट्र राज्य से हैं। दूसरे स्थान पर ३१ विद्यार्थियों के साथ दिल्ली बरकरार है और २७ विद्यार्थियों के साथ इस साल भी गुजरात तीसरे स्थान पर रहा। उत्तर प्रदेश के २५ विद्यार्थी हैं। त्रिपुरा का एक और दो असम के विद्यार्थी हैं। संस्थान में गुजरात के विद्यार्थियों की संख्या बढ़ रही है। २०२२-२३ में गुजरात के २३ विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था।

माइका प्रवेश समिति की प्रो.रुचि तिवारी और प्रो.तरल पाठक के अनुसार प्रवेश पाने वालों में ७१ फीसदी विद्यार्थी गैर इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से हैं। यह महत्वपूर्ण बदलाव इस बात के अच्छे संकेत दे रहा है कि प्रबंधन के क्षेत्र में इंजीनियरिंग ही नहीं बल्कि सभी क्षेत्रों के विद्यार्थी आगे आ रहे हैं। संस्थान मेरिट आधारित प्रवेश प्रक्रिया के जरिए विद्यार्थियों का चयन करता है। पीजीपी कोर्स के ८० फीसदी विद्यार्थी २१-२५ आयु वर्ग के हैं। सभी कोर्स के ६२ फीसदी विद्यार्थियों को पहले कार्य का अनुभव है। ३८ फीसदी ने ही सीधे प्रवेश पाया है।

प्रवेश पाने वालों में डॉक्टर, क्रिकेटर, सीए और फ्लाइंग कैडेट तक शामिल हैं। इसमें अहमदाबाद के डॉक्टर ध्रुवम नानावटी भी हैं। वे कहते हैं कि कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रबंधन का अभाव देखने को मिला। इसने उन्हें प्रबंधन के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया।

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा से पहले निकली जलयात्रा में उमड़े

पाटण, ०३ जुलाई ।

भक्त पाटण शहर में भगवान रथयात्रा समिति की ओर से इस साल भगवान जगन्नाथ की १४२वीं रथयात्रा से पहले मंगलवार को जलयात्रा निकाली गई। शहर में आनंद सरोवर के सामने स्थित गणेश आश्रम से बारिश के बीच भक्ति संगीत की धुन के साथ भगवान जगन्नाथ की जलयात्रा निकली।

पाटण शहर में भगवान रथयात्रा समिति की ओर से इस साल भगवान जगन्नाथ की १४२वीं रथयात्रा से पहले मंगलवार को जलयात्रा निकाली गई। शहर में आनंद सरोवर के सामने स्थित गणेश आश्रम से बारिश के बीच भक्ति संगीत की धुन के साथ भगवान जगन्नाथ की जलयात्रा निकली। गणेश आश्रम में शास्त्रोक्तविधि-विधान के अनुसार जल के पवित्रीकरण के लिए ब्राह्मणों की ओर से ९९९ नदियों और ६४ तीर्थों का आह्वान किया गया। जल को पवित्र करने के साथ ही जगत जननी मां जगदंबा का निमंत्रण दिया। इसके लिए नवदुर्गा के प्रतीकात्मक स्वरूप नौ कन्याओं की पूजा की गई।

मां जगदंबा को रिझाने के लिए ब्राह्मणों ने स्तुति की और शास्त्रोक्त गान के साथ माताजी को इस अवसर का गवाह बनने के लिए आमंत्रित किया। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलराम को जयघोष के साथ मखमली कपड़े और फूलों से सजाई में विराजमान किया गया। पूजा अर्चना के बाद पाटन के राजमहल पर कावड़ में जलयात्रा निकाली।वहां से जलयात्रा बारिश के बीच सरस्वती नदी के किनारे पहुंची। कलश में जल भर कर सुभाष चौक, जूनागंज बाजार, हिंगलाचाचर चौक, मुख्य बाजार, घीवटा नाका होते हुए जलयात्रा निज मंदिर पहुंची। वहां शास्त्रोक्त मंत्रोच्चार के साथ भक्तों ने जलयात्रा के जल, घी, दूध, दही, साकर, गुलाब जल, केवड़ा जल, यमुना जल, केसर, चंदन आदि से अभिषेक किया।

मंदिर में जलाभिषेक के बाद नेत्रोत्सव विधि की गई। मंदिर परिसर में पारंपरिक आस्था के प्रतीक के रूप में भगवान की तबीयत खराब होने पर उनकी आंखों में दर्द के कारण भगवान जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टियों ,रथयात्रासमितिके कार्यकर्ताओं, भक्तों ने भगवान की आंखों का इलाज किया। भगवान जगन्नाथ, भाई बलराम की आंखों को शीतलता पहुंचाने के भाव के साथ शहद, घी, साकर, तुलसी, पान, सौंफ, जायफल, गंगाजल, केवड़ा जल, गुलाब जल आदि से पट्टी बांधकर आरती की। इसके बाद आरती कर विश्राम के लिए मामा के घर भेज दिया गया।

गुजरात में कांग्रेस कार्यालय पर भाजपा का उग्र प्रदर्शन

अहमदाबाद, ०३ जुलाई ।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के हिंदुत्व को लेकर संसद में दिए गए बयान के विरोध में गुजरात में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालयों के बाहर उग्र प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने अहमदाबाद राजकोटगांधीनगर समेत राज्य के अन्य शहरों में स्थित कांग्रेस कार्यालयों के बाहरप्रदर्शनकियावहीं पुलिसकर्मी समेत कुछ कार्यकर्ताओं को चोटें आई हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के हिंदुत्व को लेकर संसद में दिए गए बयान के विरोध में गुजरात में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालयों के बाहर उग्र प्रदर्शन किया। अहमदाबाद कार्यालय पर दोनों दलों के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। इस दौरान दोनों ओर से पथराव किया गया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने अहमदाबाद, राजकोट, गांधीनगर समेत राज्य के अन्य शहरों में स्थित कांग्रेस कार्यालयों के बाहर प्रदर्शन किया। संसद में राहुल गांधी के बयान को हिंदुत्व विरोधी बताते हुए सोमवार रात को भाजपा कार्यकर्ताओं ने अहमदाबाद के राजीव गांधी भवन पहुंचकर वाहनों में तोड़फोड़ की। इसके साथ ही राहुल के पोस्टर पर कालिख पोत दी।

मंगलवार दोपहर फिर से भाजपा कार्यकर्ताओं की एक भीड़ पहुंचउ गई और कांग्रेस कार्यालय में जमकर हंगामा किया। इस दौरान दोनों दलों के कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे पर पथराव किया। इसमें एक पुलिसकर्मी समेत कुछ कार्यकर्ताओं को चोटें आई हैं। पुलिस ने दोनों दलों के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। एएनआइ के अनुसार, भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ मुंबई में भी विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने कहा है कि भाजपा युवा मोर्चा देशभर में कांग्रेस दफ्तरों के बाहर विरोध प्रदर्शन करेगा।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री रजनी भाई पटेल एवं मुख्य प्रवक्ता यमल व्यास ने पत्रकारों को बताया कि राहुल गांधी ने हिंदुओं को हिंसा के साथ जोड़कर उनका अपमान किया है। हिंदूसमाज को हिंसक बताना एक गंभीर बात है। राहुल को अपने बयान के लिए देश व दुनिया में बस रहे सभी हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिए।

गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हिम्मत सिंह पटेल ने कहा है कि कांग्रेस कार्यालय पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने हमला किया है। पुलिस ने यहां पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं की। भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय पर आकर हमला करें, यह लोकतंत्र की हत्या है। विधानसभा में कांग्रेस के उपनेता शैलेष परमार ने सीसीटीवी फुटेज देकर एक शिकायत दर्ज कराई है।

बिहार का शार्प शूटर हजीरा से गिरफ्तार, 20 दिन पहले आया था सूरत

सूरत (ईएमएस) सूरत क्राइम ब्रांच ने हजीरा से बिहार के कुख्यात शार्प शूटर को गिरफ्तार किया हैं डेढ महीने पहले बिहार के मुजफ्फरपुर में हुई गैंगवार में एक शख्स की हत्या के मामले में सूरत के हजीरा से गिरफ्तार शार्प शूटर फरार था बिहार पुलिस ने इस शार्प शूटर पर रु. 25000 के ईनाम की घोषणा की थी जानकारी के मुताबिक बिहार के मुजफ्फरपुर में डेढ महीने पहले हुए गैंगवार में पांच शूटरों ने हिमांशु ठाकुर नामक शख्स की हत्या कर दी थी सूरत के हजीरा से गिरफ्तार कुख्यात शार्प शूटर सुधांशुसिंह भूमिहार हिमांशु ठाकुर की हत्या का मुख्य आरोपी हैं बिहार पुलिस ने शार्प शूटर सुधांशुसिंह पर 25 हजार रुपए का ईनाम घोषित कर रखा हैं

पश्चिम रेलवे द्वारा पाँच जोड़ी सुपर फास्ट स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विशेष किराए पर 05 जोड़ी सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनों के फेरे मौजूदा ठहराव, समय और संरचना आदि के साथ विस्तारित किये गये हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः-1.ट्रेन संख्या 02200 बांद्रा टर्मिनस - वीरांगना लक्ष्मीबाई साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 06 जुलाई, 2024 से बढ़ाकर 27 जुलाई, 2024 तक कर दिया गया है।

ट्रेन संख्या 02199 वीरांगना लक्ष्मीबाई - बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 04 जुलाई, 2024 से बढ़ाकर 25 जुलाई, 2024 तक कर दिया गया है। ट्रेन संख्या 02199 का बांद्रा टर्मिनस पर आगमन का समय 04 जुलाई, 2024 से 16.00 बजे के बजाय 16.10 बजे होगा।

2.ट्रेन संख्या 01920 अहमदाबाद-आगरा कैंट त्रि-साप्ताहिसुपरफास्ट स्पेशल को 05 जुलाई, 2024 से बढ़ाकर 31 जुलाई, 2024 तक कर दिया गया है। ट्रेन संख्या 01919 आगरा कैंट-अहमदाबाद त्रि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 04 जुलाई, 2024 से बढ़ाकर 30 जुलाई, 2024 तक कर दिया गया है।

. ट्रेन संख्या 01906 अहमदाबाद-कानपुर सेंट्रल साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 09 जुलाई, 2024 से बढ़ाकर 30 जुलाई, 2024 तक कर दिया गया है। ट्रेन संख्या 01905 कानपुर सेंट्रल-अहमदाबाद साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 08 जुलाई, 2024 से बढ़ाकर 29 जुलाई, 2024 तक कर दिया गया है। 4.ट्रेन संख्या 04166 अहमदाबाद-आगरा कैंट साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 11 जुलाई, 2024 से बढ़ाकर 01 अगस्त, 2024 तक कर दिया गया है।

ट्रेन संख्या 04165 आगरा कैंट-अहमदाबाद साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 10 जुलाई, 2024 से बढ़ाकर 31 जुलाई, 2024 तक कर दिया गया है। ट्रेन संख्या 04168 रूप्र्छ॰छ्न–ह्ल*ुछ कैंट साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 08 जुलाई, 2024 से बढ़ाकर 29 जुलाई, 2024 तक कर दिया गया है।

ट्रेन संख्या 04167 आगरा कैंट-अहमदाबाद साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 07 जुलाई, 2024 से बढ़ाकर 28 जुलाई, 2024 तक कर दिया गया है। ट्रेन संख्या 02200, 01920, 01906, 04166 एवं 04168 के विस्तारित फेरो की बुकिंग 4 जुलाई, 2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी।

उबर ने वडोदरा एयरपोर्ट पर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के साथ साझेदारी की

वडोदरा, गुजरात, 03 जुलाई, 2024 - देश में अग्रणी राइड-हेलिंग ऐप उबर ने वडोदरा एयरपोर्ट, जिसे सिविल एयरपोर्ट हरनी के नाम से भी जाना जाता है, पर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के साथ साझेदारी की घोषणा की है। पिछले वित्तीय वर्ष में वडोदरा एयरपोर्ट पर हवाई यातायात में उछाल देखा गया, जिसमें प्रति वर्ष 1.2 मिलियन यात्रियों की आवाजाही हुई, जो कनेक्टिविटी संबंधी कुशल और निर्बाध समाधानों की आवश्यकता को रेखांकित करता है। अप्रैल 2023 में, उबर ने एएआई के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत उबर ने एएआई के अनेक एयरपोर्ट पर अपनी सेवाओं का विस्तार किया। इनमें 15 एएआई एयरपोर्ट पर परिचालन पहले से ही शुरू हो चुका है।

इस सहयोग का उद्देश्य यात्रियों को भारत के इस सांस्कृतिक शहर में पहुंचने पर परिवहन संबंधी विश्वसनीय और परेशानी मुक्त विकल्प प्रदान करना है, साथ ही उबर ड्राइवरों को भी असाधारण सेवा प्रदान करने के लिए सशक्त बनाना है। इस सहयोग के हिस्से के रूप में उबर ने आगमन टर्मिनल पर डेडिकेटेड पिकअप ज़ोन स्थापित किए हैं, जिन्हें ऑन-ग्राउंड सहायता और दिशा-निर्देशक साइनेज के जरिये सपोर्ट मिलता है। इस तरह टर्मिनल के अंदर से उबर पिकअप ज़ोन तक सवारियों की सहायता की जाती है। यात्री लैंडिंग से लेकर गंतव्य तक एक सहज यात्रा की उम्मीद कर सकते हैं, जबकि ड्राइवर परेशानी मुक्त अनुभव का आनंद ले सकते हैं।

शिव शैलेंद्रन, डायरेक्टर ऑफ सप्लाई ऑपरेशंस, उबर इंडिया एंड साउथ एशिया, ने कहा, ''हमारा फोकस इस बात पर है कि किस तरह मुसाफिरों को यात्रा संबंधी बेहतर अनुभव प्रदान किया जाए। और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के साथ यह साझेदारी हमें ड्राइवरों और सवारों दोनों के लिए एक बेहतर अनुभव प्रदान करने में मदद करेगी।

यह साझेदारी उबर के अपनी सेवाओं को नया रूप देने और बेहतर बनाने के निरंतर प्रयासों का प्रमाण है, जो इसे एयरपोर्ट परिवहन के लिए पसंदीदा विकल्प बनाती है। ऑन-ग्राउंड सपोर्ट के साथ तकनीक को एकीकृत करके, उबर का लक्ष्य वडोदरा एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों के लिए एक बेजोड़ यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

विद्युत कार्य

निविदा आमंत्रण सूचना EL/50/1/14 (24-25) दिनांक : 01/07/2024 भारत के राष्ट्रपति के लिए और की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (विध्युत/ पावर) पश्चिम रेलवे वडोदरा मंडल भारतीय रेल की वेब साईट www.ireps.gov.in पर निम्नलिखित कार्य के लिये अनुभवी तथा विश्वसनीय संविदाकारों से ई निविदा आमंत्रित करती है। **निविदा संख्या : BRC-EL-P-11-2328 24-25-R कार्य का नाम :** वडोदरा डिवीजन : आरयूबीज़ पर जल निकासी सुविधाओं में सुधार के संबंध में विद्युत कार्य और मियागाम करजण -डभोई गेज रूपांतरण परियोजना में बचे हुए कार्य। **अनुमानित लागत (रु.) :** ₹50,06,997.00 **ईएमडी (रु.) :** ₹1,00,100.00 **निविदा शुल्क (रु.) :** शून्य **ई-निविदा समापन तिथि :** 24/07/2024 **वेबसाइट विवरण :** www.ireps.gov.in 105

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

गुड्स शेड का सुधार

गति शक्ति विभाग

ई-निविदा सूचना क्रमांक. CPM-GSENGG-BRC-04-2024-25 भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390004 द्वारा मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **(1) ई-निविदा संख्या: CPM-GS-ENGG-BRC-04-2024-2025 (2) कार्य का नाम:** वडोदरा डिवीजन: भरूच और वडोदरा यार्ड रेलवे स्टेशन पर मौजूदा गुड्स शेड का सुधार **(3) कार्य की अनुमानित लागत :** ₹9,40,42,770.60 (रुपये नौ करोड़ चालीस लाख ,बयालीस हजार सात सौ सत्तर साठ पैसे मात्र) **(4) जमा की जाने वाली बयाना राशि:** ₹6,20,200/- (छह लाख बीस हजार दो सौ रुपये मात्र) **(5) बोली लगाने के लिए ऑनलाइन निविदा की उपलब्धता:** 16.07.2024 को 11.00 बजे से 30.07.2024 को 15.00 बजे तक। **तकनीकी बोली खोलने की तिथि और समय:** 30.07.2024 को 15.30 बजे। (6) निविदा दस्तावेज की लागत (गैर वापसी योग्य), ईएमडी, पात्रता मानदंड, कार्य की समान प्रकृति सहित विस्तृत सूचना के संबंध में,विस्तृत निविदा शर्तों के लिए कृपया www.ireps.gov.in पर जाएं। **मैन्युअल प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा.** 103

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

OHE में वृद्धि और परिवर्तन

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत Tr.D), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390 004 द्वारा निम्नानुसार कार्यों हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। **क्रम सं.1 : निविदा सं. EL/TRD/Tender/24-25/02-R. कार्य का नाम:** वडोदरा मंडल के सुरत-वडोदरा अनुभाग में 12 m चौडे फुटऑवर ब्रिज के प्रावधान एवं अन्य सम्बद्ध OHE प्रवृत्ति के संबंध में OHE में वृद्धि और परिवर्तन करने का कार्य । **कार्य की अनुमानित लागत (रु.में):** ₹ 1,72,52,399/- **बिड सिक्युरीटी (रु.में):** ₹ 2,36,300/- **निविदा दस्तावेज की लागत एवं समापन अवधि:** समापन अवधि 12 माह, **निविदा समय सारणी :** निविदा बंद होने की दिनांक 29/07/2024 एवं बंद होने का समय उसी दिनांक को 15:00 बजे । **वेब पेज विवरण एवं नोटीस स्थान जहाँ संपूर्ण विवरण देखा जा सकेगा तथा कार्यालय और स्पष्टीकरण का पता: वेबसाईट: @ www.ireps.gov.in** मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत कर्षण), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390 004. BRC-102

हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

विभिन्न इंजीनियरींग कार्य

ई-निविदा सूचना सं. DRM-BRC 062 TO 064 OF 2024-25

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (W A/c.), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390 004 द्वारा निम्नानुसार कार्यों हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं.	निविदा सं. एवं कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (₹ में)	जमा कराने की बीड सिक्युरीटी (₹ में)
01	**DRM BRC 062 of 2024-25.** BRCY :- SSE (W) BRCY के अधिकारक्षेत्र आधिन क्लोरीनेशन द्वारा पीने के पानी की आपूर्ति का किटाणुनाशन करने का कार्य। (पुनःआमंत्रित) (R-2)	8,25,644.99	16,500.00
02	**DRM BRC 063 of 2024-25.** वडोदरा मंडल :- उत्राण BG : उत्राण रेलवे स्टेशन अंतर्गत यात्रीओं के लिए सुविधाजनक बनाने के लिये उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म का विस्तार करने का एवं DN प्लेटफॉर्म को चौडा करने का कार्य।	5,55,64,024.79	4,27,800.00
03	**DRM BRC 064 of 2024-25.** ADEN/N/BH और ADEN/S/BH के अधिकारक्षेत्र आधिन ST-BRC अनुभाग के बीच सेवा भवनों और अन्य ढांचे का पेंटींग करने का कार्य।	43,99,903.35	88,000.00

निविदा जमा कराने एवं निविदा खोलने की तिथि एवं समय: निविदा दिनांक 19/07/2024 को 15:00 बजे तक जमा की जाएगी एवं उसी तिथि के 15:30 बजे खोली जाएगी । **वेबसाईट का विवरण एवं नोटीस का स्थान जहाँ से विवरण देखे जा सकते हैं एवं कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र खरीद सकते है:** वेबसाईट: @ www.ireps.gov.in मंडल रेल प्रबंधक (W A/C), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-4 । BRC-100

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वडोदरा से प्रकाशित किया। प्रात:कालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96